राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

(Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

futurelinetimes.page

आवाज़ राष्ट्र की

वर्ष : 04 अंक 78 मंगलवार 15 जुलाई 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

बीजिंग पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर, चीनी उपराष्ट्रपति हान झेंग से की मुलाकात

*** कहा- दोनों देशों के बीच मौजूदा परिस्थितियों में रिश्तों का सामान्य होना जरूरी**

बीजिंग (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की। उन्होंने भारत-चीन संबंधों में लगातार सामान्य होने की जरूरत पर जोर दिया है। जयशंकर की ये यात्रा विशेष रूप से अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह 2020 में पूर्वी लद्दाख में नियंत्रण रेखा पर हुए सैन्य गतिरोध के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयशंकर चीन में शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए चीन दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत और चीन के बीच रिश्तों का सामान्य होना जरूरी है। बीजिंग पहुंचने के बाद जयशंकर ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की और इस पर खुशी जाहिर की। उन्होंने

चीन के शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की।

उन्होंने कहा है कि जब दोनों देशों के बीच मुलाकात हो रही है, तो इस समय अंतरराष्ट्रीय स्थिति अत्यंत जटिल है। ऐसे में पड़ोसी देशों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत, चीन की एससीओ अध्यक्षता की सफलता का समर्थन करता है और माना कि पिछले अक्टूबर में कज़ान में पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद से हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर सुधार हो रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली भारत में बेहद सकारात्मक रूप से सराही जा रही है। यह दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाने की जरूरत पर भी बल दिया और उम्मीद जताई कि सभी मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाएगा। दोनों नेताओं की बैठक को संबंधों में संवाद और संतुलन की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच लगातार सामान्य हो रहे संबंध भविष्य में फायदेमंद साबित होंगे।

सावन के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

ताड़केश्वर महादेव का 151 किलो घी से अभिषेक, काशी में 3 किमी लंबी कतारें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन के पहले सोमवार को देशभर में शिवभक्तों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही मंदिरों में घंटा-घड़ियाल की ध्वनि और बम-बम भोले और हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे। भगवान शिव को समर्पित इस पावन माह के पहले सोमवार को श्रद्धालुओं ने व्रत, पूजा और जलाभिषेक कर भोलेनाथ का आशीर्वाद मांगा। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में 151 किलो शुद्ध देसी घी से विशेष अभिषेक किया गया और मंदिर को 3100 किलो आमों से सजाया गया।

श्रद्धालुओं के लिए सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित करने वाला होता है। वहीं सावन के पहले सोमवार के दिन देशभर के शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस खास दिन शिव भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी करने व्रत और पूजा अनुष्ठान करते हैं। इस अवसर पर देशभर के शिवालयों में भक्तों का सैलाब उमड़ा है। दिल्ली के गौरी शंकर मंदिर में सावन सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी और श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ की। इसी तरह गायिजाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

तड़के खुले महाकाल के द्वार

लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, गाजियाबाद, दिल्ली, उज्जैन, गुवाहाटी समेत देश के प्रमुख शिवालयों में अलसुबह से ही भक्तों का रेला देखने को मिला। उज्जैन में बाबा महाकाल के मंदिर के कपाट तड़के 2.30 बजे ही खोल दिए गए, जहां सावन में करीब 80 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई है। हजारों श्रद्धालु तड़के ही बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंच गए।

विश्वनाथ मंदिर के बाहर लगी लंबी कतार

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की 3 किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। यहां सुबह 4 बजे मंगला आरती के साथ मंदिर के कपाट खुले, लेकिन भक्तों को दर्शन का अवसर महज एक सेकंड के लिए मिल सका। वाराणसी में यादव समाज की विशेष परंपरा भी देखने को मिली, जहां हजारों लोग डमरू और गंगाजल से भरे कलश लेकर बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करने पहुंचे। सावन माह के पहले सोमवार को लखनऊ के मनकामेश्वर मंदिर में भी भक्तों ने आरती की।

जलाभिषेक करने लाखों कांवड़िये पहुंचे

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ और बासुकीनाथ धाम में लाखों कांवड़िये जलाभिषेक के लिए पहुंचे। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की व्यवस्था की है। सावन का यह पहला सोमवार शिवभक्तों की अटूट आस्था और परंपरा की अद्भुत झलक लेकर आया, जिसने एक बार फिर देश को 'हर-हर महादेव' की गूंज से भर दिया।

गौरी की तपस्या से प्रसन्न हुए शिव

मान्यता के अनुसार सावन का यह वही माह है जबकि देवी गौरी की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए थे। इसी के साथ मान्यता है कि प्रसन्न भगवान शिव ने देवी गौरी को पत्नी के रूप में स्वीकारा था। यह भी कहा जाता है कि हर साल देवों के देव महादेव सावन माह में ही अपनी ससुराल भी जाते हैं। इन मान्यताओं के अनुसार यह पूरा माह ही बेहद पवित्र और पूजा-पाठ करने वाला माना जाता है। ऐसे में शिव-भक्त सावन सोमवार के दिन व्रत और पूजा अनुष्ठान करते हैं।

जस्टिस सचदेवा होंगे मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

-केंद्र सरकार ने पांच हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति पर मुहर लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पांच हाईकोर्ट को नए चीफ जस्टिस मिले हैं। इनमें मप्र, झारखंड, कर्नाटक, गुवाहाटी और पटना हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्र सरकार ने इनकी नियुक्ति पर मुहर लगाई है। जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया है। गौरतलब है कि 23 मई को

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैत के सेवानिवृत्त होने के बाद 24 मई से जस्टिस सचदेवा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण किया था। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम की सिफारिशों के आधार पर केंद्र सरकार द्वारा नियुक्तियां की गई हैं। जिसमें जस्टिस संजीव सचदेवा को मप्र हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस तरलोक सिंह चौहान झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस विभु बखरू कर्नाटक हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस आशुतोष कुमार गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्टों में रिक्तियों और प्रशासनिक जरूरतों का आकलन करने के बाद ये सिफारिशें की थीं। इन नियुक्तियों से राज्य स्तर पर न्यायपालिका में नेतृत्व को मजबूती मिलेगी और लंबित मामलों के त्वरित निपटारे में मदद मिलेगी।

आमों से लदा ट्रक पलटा, नीचे दबकर 9 मजदूरों की मौत, 10 लोग घायल

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आमों से लदा एक ट्रक पलट गया जिससे 9 मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं। मृतकों में 5 महिलाएं शामिल हैं। ट्रक चालक इस हादसे में बच गया। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि सामने से आ रही कार से टक्कर से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया। रेलवे कोडुरु और तिरुपति जिले के वेंकटगिरी मंडल के 21 दिहाड़ी मजदूर एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में आम तोड़ने गए थे। ट्रक आमों के साथ रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था और मजदूर इसके ऊपर बैठे थे। हादसे में मजदूर 30-40 टन आमों के नीचे दब गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। ट्रक और आमों के ढेर के नीचे दबने से 9 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान गज्जाला दुर्गैया, गज्जाला लक्ष्मी देवी, गज्जाला रमना, गज्जाला श्रीनु, राधा, वेंकट सुब्बम्मा, चित्तेम्मा और सुब्बा रत्नम्मा के रूप में हुई। मुनिचंद्र की मौत राजमपेट के अस्पताल में हुई। घायलों को बेहतर इलाज के लिए कडपा के रिम्स में शिफ्ट किया गया है। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और जिला प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी शोक व्यक्त करते हुए घायलों के लिए बेहतर इलाज और मृतकों के परिवारों के लिए सहायता की मांग की।

मुंबई एयरपोर्ट पर तेज रफ्तार वाहन ने विमान को मारी टक्कर, मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल अकासा एयरलाइंस का एक विमान जब उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एक मालवाहक कंटेनर वाहन विमान के प्रोपेलर से टकरा गया। इस घटना में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद, विमान में सवार यात्रियों के लिए तुरंत एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। यह घटना एयरपोर्ट पर सुबह 4.54 बजे की बताई जा रही है। अकासा एयरलाइंस का विमान क्यूपी 1736 बेंगलुरु से मुंबई पहुंचने के बाद पार्क किया गया था। इसके बाद, वही विमान क्यूपी 1410 मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था। यात्रियों के विमान में चढ़ने से पहले माल उतारा जा रहा था। उसी दौरान एक कंटेनर वाहन विमान के दाहिने प्रोपेलर से टकरा गया। इस दुर्घटना में विमान और कंटेनर वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

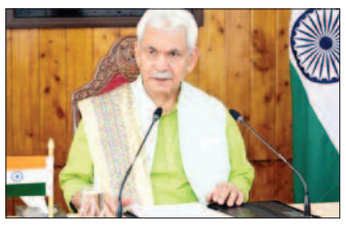

-कांग्रेस बोली- इस्तीफा कब देंगे?

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर स्पष्ट रूप से इसे सुरक्षा में चूक करार देते हुए पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि हमला पर्यटकों पर नहीं, भारत की आत्मा पर था। इस पर कांग्रेस ने एलजी से सवाल करते हुए कहा है, कि अब इस्तीफा कब देंगे?

एलजी सिन्हा ने पहलगाम हमले को लेकर अपने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, क्योंकि यह वास्तव में सुरक्षा में चूक थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिस जगह हमला हुआ वह खुला मैदान था, जहां सुरक्षा बलों के लिए तैनाती की सुविधा नहीं थी। उन्होंने माना कि राज्य में पर्यटकों की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही थी और आतंकी हमले का उद्देश्य इस समृद्धि पर चोट करना था। एलजी सिन्हा ने कहा कि इस हमले में एनआईए की जांच में कुछ स्थानीय लोगों की संलिप्तता सामने आई है, लेकिन यह मानना गलत होगा कि पूरा राज्य या सुरक्षा व्यवस्था खराब हो गई है। इसी बीच उन्होंने एक तरह से तुलना करते हुए कहा कि इस बार एक व्यक्ति की संलिप्तता मिली है, जबकि पिछले साल 6-7 और पहले 100 से अधिक लोग संलिप्त थे।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, पाकिस्तान को चेतावनी

एलजी सिन्हा ने भारतीय सेना के ऑपरेशन 'सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भारत किसी भी आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी एयरबेस तक को निशाना बनाया है, लेकिन पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि अमरनाथ यात्रा इस नुकसान की भरपाई कर सकती है। उन्होंने बताया कि यात्रियों के लिए सुरक्षा और सुविधाएं बढ़ाई गई हैं।

कांग्रेस बोली- जिम्मेदारी ली, अब इस्तीफा दें

एलजी सिन्हा के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सरकार पर हमला बोला। खेड़ा ने कहा, कि हमले के 82 दिन बाद जिम्मेदारी ली गई, अब सवाल यह है कि क्या इस्तीफा देंगे या बर्खास्त होंगे? उन्होंने पूछा कि इतने दिन क्यों लगे? क्या यह बयान सिर्फ दिल्ली में किसी की सुरक्षा करने के लिए दिया गया है?

हरियाणा और गोवा को मिला नया राज्यपाल, गुप्ता को बनाया गया लद्दाख का एलजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोफेसर अशीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल और पुसापति अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल घोषित किया है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता को लद्दाख का नया उपराज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति ने लद्दाख के उपराज्यपाल पद से ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार किया है। ये नियुक्तियाँ उस तिथि से प्रभावी होंगी जिस दिन नए नियुक्त व्यक्ति अपने-अपने कार्यालयों का कार्यभार संभालेंगे। ये नियुक्तियाँ दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रमुख संवैधानिक पदों पर फेरबदल का संकेत हैं। घोष, जिन्होंने वरिष्ठ शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है और उच्च शिक्षा में अपने प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, हरियाणा के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने वाले है। वरिष्ठ राजनीतिक हस्ती और पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, राजू, गोवा में कार्यभार संभालने वाले है। राजू ने अपने दशकों लंबे राजनीतिक जीवन में आंध्र प्रदेश और केंद्र दोनों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। जम्मू से भाजपा के वरिष्ठ नेता गुप्ता, लद्दाख में नई दिल्ली की प्रशासनिक उपस्थिति का नया चेहरा बन गए हैं। गुप्ता इससे पहले जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं और पीडीपी-भाजपा गठबंधन काल के दौरान उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था।

निमिषा प्रिया को बचाने की उम्मीद लगभग खत्म, केंद्र ने कहा, हम सारे प्रयास कर चुके

-अब एक ही रास्ता जबकि पीड़ित परिवार ब्लड मनी स्वीकारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को यमन में बचाने की एक और उम्मीद खत्म होती दिख रही है। सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वे इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। निमिषा को यमन में 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जा सकती है। वह तलाल अब्दो महदी नाम के यमनी नागरिक की हत्या के मामले में दोषी साबित हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, केंद्र सरकार ने कहा, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है...लेकिन एक सीमा है जहां तक हम जा सकते हैं। अब एक ही रास्ता है कि (यमनी नागरिक का) परिवार ब्लड मनी को स्वीकार करने को तैयार हो जाए। दरअसल, इस व्यवस्था के तहत पीड़ित परिवार को एक धनराशि दी जाती है। हालांकि, यह रकम कितनी होगी, यह दोनों पक्ष मिलकर तय करते हैं।

एटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारत इस मामले में इतना आगे ही जा सकता था और सरकार अपने तमाम प्रयास कर चुकी है। उन्होंने कहा, सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर सकती। यमन की संवेदनशीलता को देखकर यह कूटनीतिक रूप से मान्य नहीं है। ब्लड मनी एक निजी समझौता है। केरल के पल्लकड़ जिले की निमिषा प्रिया महदी की हत्या की दोषी साबित हुई हैं। उन्होंने एक अन्य नर्स के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। खबर है कि दोनों ने कथित तौर पर यमनी नागरिक के शव को काट कर अंडरग्राउंड टैंक में डाल दिया था। इससे पहले कई मौकों पर निमिषा प्रिया ने आरोपों को चुनौती दी है, लेकिन कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दीं।

क्या है ब्लड मनी

आसान भाषा में ब्लड मनी का मतलब उस आर्थिक मुआवजे से है, जो दोषी की ओर से पीड़ित परिवार को दिया जाता है। खासतौर से गैर इरादतन हत्या के मामले में ऐसा होता है। इसके बाद पीड़ित परिवार पर निर्भर करता है कि वह दोषी को माफ करते हैं या नहीं। इस्लामिक कानून के अनुसार, अपराध के पीड़ितों को अपनी राय देने का अधिकार होता है कि अपराधियों को कैसे सजा दी जाए।

पहलगाम हमला सुरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी एलजी मनोज सिन्हा ने ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिज़ोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ राज्य के प्रमुख विकास मुद्दों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मिज़ोरम की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार से अधिक वित्तीय सहायता, सड़कों और कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, और शिक्षा प्रणाली के सशक्तिकरण जैसी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की। उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया कि मिज़ोरम की सीमा सुरक्षा और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ सहयोग को और मज़बूत किया जाए। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री की बातों को गंभीरता से सुना और उन्हें केंद्र की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने

मिज़ोरम को भारत के उत्तर-पूर्व में एक रणनीतिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य बताया और कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट में 35 लाख मतदाओं के नाम नहीं होंगे

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव 2025 से पहले चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत करीब 35.5 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस कार्रवाई ने राज्य की राजनीति में भूचाल ला दिया है। विपक्ष ने इसे चुनावी गणित से छेड़छाड़ बताया है। उधर, इस मामले में चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में भी बेंच ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मंशा पर सवाल उठाते हुए जवाब मांगा है। चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि अब तक 6.6 करोड़ मतदाता (88.18त्न कुल मतदाता) ने पुनरीक्षण फॉर्म जमा किया है। अंतिम तिथि 25 जुलाई है, इसके बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी।

जाने माने रैपर और एल्विश यादव के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया ताबड़तोड़ फायरिंग में बाल-बाल बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने माने रैपर और एल्विश यादव के दोस्त राहुल फाजिलपुरिया पर ताबड़तोड़ फायरिंग में बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि ये फायरिंग गुरुग्राम के पास बादशाहपुर एसपीआर (साउदर्न पेरीफेरल रोड) पर हुई। अज्ञात बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दिया। बता दें कि इससे पहले सांपों के जहर और शूट के लिए सांपों के इस्तेमाल के मामले में उनका नाम एल्विश यादव के साथ आया था। वह यूट्यूबर एल्विश के दोस्त हैं। ईडी ने भी राहुल से पूछताछ की थी और उनकी प्रॉपर्टी अटैच की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी, सोशल मीडिया पर चल रही विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अहम मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को कहा कि देश के नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और संयम का पालन करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर वर्तमान में चल रहे विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाना होगा। कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी की वकालत कर कहा कि किसी भी सूरत में सेंसरशिप की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि लोगों को आत्मसंयम और नियमन का पालन करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित दिशा-निर्देशों पर विचार कर कहा कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी है लेकिन उनके बीच भाईचारा भी बने रहना चाहिए। अदालत ने कहा कि कोई नहीं चाहता है कि राज्य/सरकार इसतरह के मामलों में दखल दे, लेकिन भाषण की स्वतंत्रता पर तार्किक पाबंदियां उचित हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के मूल्यों के बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिए, क्योंकि कोई भी नहीं चाहता कि संबंधित सरकार नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करे।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ शिकायतकर्ता वजाहत खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा को कंट्रोल करें। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सरकार ऐसी कोई भी कोशिश न करे जिससे अभिव्यक्ति की आजादी की पवित्रता का उल्लंघन हो।

शीर्ष अदालत की पीठ ने आत्मनियमन और आत्मसंयम पर जोर देकर कहा, लोगों को ऐसा भाषण अप्रिय या अनुचित क्यों नहीं लग रहा? सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विषय-वस्तु का कुछ नियमन होना चाहिए और नागरिकों को इसतरह के घृणास्पद भाषणों (हेट स्पीच) को शेयर और लाइक करने से खुद को ही रोकना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ियों के लिए वाटरप्रूफ टेंट कंट्रोल रूम से निगरानी, तेंदुए की दस्तक ने बढ़ाई चिंता

मुरादाबाद, एजेंसी। सावन में बारिश से कांवड़ियों को राहत देने के लिए पुलिस ने कांवड़ मार्गों पर नौ स्थानों पर वाटरप्रूफ टेंट लगवाए हैं। इनमें बैठने, पानी और भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सुरक्षा के लिए कांठ रोड, दिल्ली रोड और रामपुर रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिन्हें कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है।

बारिश से बचाने के लिए पुलिस ने कांवड़ियों के लिए वाटरप्रूफ टेंट लगवाए हैं। कांवड़ मार्गों पर नौ स्थानों पर टेंट लगा भी दिए गए हैं। इसके अलावा कांवड़ मार्ग से लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से भी जोड़ा गया है। पुलिस कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में जुट गई। पहले कांवड़ जत्थों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं जानीं। अब उनके निदान पर काम कर रही है। सावन में बारिश के दौरान कांवड़ियों को कोई दिक्कत न हो इसके लिए नौ स्थानों पर वाटरप्रूफ टेंट की व्यवस्था की जा रही है। यहां कांवड़ियों की सुविधा का ख्याल रखा जाएगा। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि जिले में कांठ रोड, दिल्ली रोड और रामपुर रोड तीन कांवड रूट हैं। इन रूटों पर सावन के आखिरी सोमवार पर सबसे अधिक भीड़ रहती है। इससे पहले पड़ने वाले सोमवार पर भी जलाभिषेक के लिए कांवड़ियों की आवाजाही होती है।

इन रूटों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ताकि पल-पल नजर रखी जा सके। कांवड़ मार्ग पर भी कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके अलावा इन कैमरों को सिटी कंट्रोल रूम से भी जोड़ गया है। जहां से तैनात पुलिसकर्मी निगरानी कर रहे हैं।

इसके अलावा सिविल लाइंस क्षेत्र में शेरुआ चौराहा, किला तिराहा, फव्वारा चौक, मझोला क्षेत्र में जीरो प्वाइंट, पाकबड़ा में सीएनजी पंप, रोडवेज पुलिस चौकी, कोहिनूर तिराहा, दलपतपुर जीरो प्वाइंट पर वाटरप्रूफ टेंट लगाए गए हैं। यह टेंट हरिद्वार की कंपनी ने लगाए हैं। टेंट में बैठने, पानी और भोजन भी व्यवस्था कराई जा रही है। शिवभक्तों के लिए जिले में विभिन्न संगठनों की ओर से एक हजार से ज्यादा भंडारे लगाए जाएंगे। इसके लिए संगठनों ने तैयारियां पूरी कर ली है। इस दौरान शिवभक्तों के लिए मेडिकल कैंप भी लगाए जाएंगे। शहर में कुछ स्थानों पर भंडारे लगने शुरू हो गए हैं। 11 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। शनिवार को सावन का दूसरा दिन रहा है। सड़कों पर शिवभक्तों की संख्या बढ़ने लगी है। मध्यप्रदेश, इटावा समेत अन्य जगहों से शिव भक्त जल लेकर जाने लगे हैं। शिवभक्तों के लिए जिले के रामपुर दौराहा, स्टेशन रोड, कांठरोड, दिल्ली रोड समेत विभिन्न जगहों पर एक हजार से अधिक भंडारे लगाए जाएंगे। श्री महादेव सेवा समिति के महासचिव शरद जैन ने बताया कि भंडारे को लेकर अधिकांश सामान खरीदे जा चुके हैं। कुछ आर्डर भी लिए गए हैं। भंडारा लगाने के लिए परमिशन के लिए पत्र संबंधित विभाग को भेज दिया गया है। संगठन के सदस्यों को अलग-अलग काम बांटने की बात चल रही है। श्री कल्याणी दरबार मंदिर के अध्यक्ष पंकज माथुर ने बताया कि शिवभक्तों की सेवा के लिए भंडारा लगाया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दो और तीन अगस्त को भंडारा लगाया जाएगा।

पुलिसिया धमकी पर हाईकोर्ट की सख्ती के बाद एसओ व दो कांस्टेबल पर केस, निलंबित

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाकर्ता और उसके अधिवक्ता को डराने धमकाने की पुलिसिया कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट के आदेश पर एसपी जौनपुर ने भी मामले की जांच में थाना प्रभारी मुंगरा बादशाहपुर और सिपाहियों को प्रथमदृष्टया दोषी पाया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनहित याचिकाकर्ता और उसके अधिवक्ता को डराने धमकाने की पुलिसिया कार्रवाई पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट के आदेश पर एसपी जौनपुर ने भी मामले की जांच में थाना प्रभारी मुंगरा बादशाहपुर और सिपाहियों को प्रथमदृष्टया दोषी पाया था। इसके बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर निलंबन की कार्रवाई की। कोर्ट में सुनवाई के दौरान एसपी की ओर से कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी गई। दूसरी ओर मामले में अब वकील ने स्वयं को खतरा बताते हुए हलफनामा दाखिल कर सुरक्षा मांगी है। बुजुर्ग (90 वर्षीय) याची गौरी शंकर सरोज की याचिका पर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने सुनवाई की। याचिका में बड़ागांव में हो रहे पुलिस और लेखपाल के अत्याचार को उजागर किया गया था। इसके जवाब में पुलिस ने न केवल उन्हें धमकाया, बल्कि उनके पोते को अवैध रूप से हिरासत में लेकर दो हजार रुपये की रिश्वत लेकर छोड़ा।

कांवड़ यात्रा: मुरादाबाद- दिल्ली- लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों को प्रवेश नहीं

रामपुर में 14 को स्कूल रहेंगे बंद

मुरादाबाद, एजेंसी। सावन के पहले सोमवार 14 जुलाई को कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन रोक दिया गया है। अमरोहा, मुरादाबाद और रामपुर में दिल्ली से लखनऊ वाली लेन को कांवड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है। यह रूट डायवर्जन सोमवार दोपहर 2 बजे तक लागू रहेगा।

कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने पर शनिवार रात से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर भारी वाहनों के चलने पर रोक लगा दी गई है। अमरोहा-मुरादाबाद और रामपुर में हाईवे पर दिल्ली से लखनऊ वाली लेन कांवड़ियों के आने-जाने के लिए निर्धारित कर दी गई है जबकि लखनऊ से दिल्ली की लेन में कार समेत छोटे वाहन गुजारे जा रहे हैं।

हाईवे पर रूट डायवर्जन की यह व्यवस्था सोमवार की दोपहर करीब दो बजे तक रहेगी। उधर, अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद, एएसपी अखिलेश भदौरिया और सीओ अंजलि कटारिया ब्रजघाट चौकी पर शनिवार को व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। 11 जुलाई से शुरू हुए सावन माह में पहला सोमवार 14 जुलाई को है। इसके लिए शिवभक्त हरिद्वार, गोमुख, गंगोत्री से गंगा जल लाकर अपने पास के मंदिरों में भगवान भोले का जलाभिषेक करेंगे। बरेली, संभल, चंदौसी, अमरोहा, मुरादाबाद,

रामपुर के कांवड़िये ब्रजघाट से भी गंगा जल भरने आते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार को शिव का जलाभिषेक किया जाता है।

इसके चलते शुक्रवार, शनिवार और रविवार को हाईवे पर कांवड़ियों की भीड़ रहती है। शनिवार रात कांवड़ियों की संख्या को बढ़ता देखकर अमरोहा पुलिस ने ट्रक कंटेनर, डीसीएम व निजी बसों को रूट प्लान के तहत डायवर्ट कर दिया। अमरोहा में रूट डायवर्जन होते ही मुरादाबाद और रामपुर में पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। हाईवे पर दिल्ली से लखनऊ जाने वाली लेन केवल कांवड़ियों और उनके वाहनों के लिए तय कर दी गई है जबकि लखनऊ से दिल्ली की ओर जाने वाली लेन में कार, ऑटो, पिकअप समेत छोटे वाहन चलाए जा रहे हैं। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि 11 जुलाई से रूट डायवर्जन किया जाना था लेकिन सावन के पहले दिन कांवड़ियों की भीड़ कम थी। शनिवार को कांवड़ियों की भीड़ बढ़ने और अमरोहा में रूट डायवर्जन लागू होने के बाद यहां भी रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया है। अब दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को बदले मार्ग से गुजारा जा रहा है।

शनिवार रात से डायवर्जन लागू कर दिया गया है। यह प्लान सोमवार की दोपहर दो बजे तक जारी रहेगा। अब दिल्ली से मुरादाबाद लेन को पूरी तरह कांवड़ियों के लिए तय कर दिया है। इस लेन पर किसी भी तरह के वाहन के आने की अनुमति नहीं है। मुरादाबाद से दिल्ली लेन पर दोनों तरफ की कार, पिकअप या अन्य छोटे वाहन चलते रहेंगे। - अखिलेश भदौरिया, एएसपी, अमरोहा

इस मार्ग से गुजारे गए भारी वाहन

रूट डायवर्जन लागू होने के बाद शनिवार रात मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाली रोडवेज और निजी बसों समेत भारी वाहन मुरादाबाद से बिलारी, संभल, बबराला, नरौरा, डिबाई, बुलंदशहर, सिकंदराबाद होते हुए मेरठ और दिल्ली भेजे गए।

गरीब बच्चों की शिक्षा के लिये पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त शिखा दरबारी लंदन में सम्मानित

गरीबी दूर करने के लिए रोजगारपरक शिक्षा जरूरी: केसी त्यागी

गाजियाबाद, एजेंसी। प्रदेश की पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त और इलाहाबाद विश्वविद्यालय पुराछात्र संघ की महासचिव डॉ. शिखा दरबारी को गरीब बच्चों की शिक्षा और उनके सामाजिक कार्यों के लिये लंदन में सम्मानित किया गया। उन्हें 'चेंजमेकर इन स्किल डवलपमेंट अवार्ड' दिया गया है। इस समारोह में गाजियाबाद के पूर्व सांसद केसी त्यागी ने भी हिस्सा लिया। डॉ. शिखा दरबारी ने सेवानिवृति के बाद गरीब परिवारों की बच्चियों को निःशुल्क शिक्षा दिलाने का काम किया है। कस्तूरबा विद्यालयों में आने वाली बच्चियों को 'सरविन फाउंडेशन सोसायटी' के माध्यम से उन्होंने रोजगारपरक शिक्षा दिलाने का बीड़ा उठाया, जिसमें उन्हें सफलता मिली। यह संस्था गरीब बच्चियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने और बिना किसी लागत वाले रोजगार के हुनर सिखाने का काम करती है। यह संस्था अब तक सैकड़ों गरीब बच्चियों को आर्थिक रूप से उनके पैरों पर खड़ा करने में सफल हुई है। संस्था पर्यावरण और चिकित्सा जागरूकता के क्षेत्र में भी बड़ा काम कर रही है।

लंदन की 'इंटरनेशनल समिट एण्ड अवार्ड्स' नामक संस्था ने उन्हें 'चेंजमेकर इन स्किल डवलपमेंट अवार्ड' दिया है। समारोह में शामिल हुए पूर्व सांसद केसी त्यागी ने इस मौके पर कहा कि डॉ. दरबारी तमाम वर्तमान और पूर्व अधिकारियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों की बच्चियों के लिये हर किसी को कुछ न कुछ करना चाहिए।

क्राइम पेट्रोल के शॉट्स देख प्रेमी से कराया सुहाग का कत्ल, वहीं से नींद की गोलियां खिलाना सीखा; नया खुलासा

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में प्रेमी से पति की हत्या कराने वाली आरोपी महिला ने पुलिस पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी बीना ने पुलिस को बताया कि क्राइम पेट्रोल के शॉट्स देख प्रेमी से सुहाग का कत्ल कराया था। वहीं से नींद की गोलियां खिलाना भी सीखा था। अलीगढ़ के बरला के मोहल्ला कोठी में प्रेमी मनोज से पति सुरेश की हत्या कराने वाली बीना ने यह साजिश क्राइम पेट्रोल के छोटे-छोटे वीडियो (शॉट्स) देखकर रची थी। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि यहीं से बच्चों और पति को नींद की गोलियां खिलाना व हत्या करने की योजना बनाना सीखा था। उसके बाद इस कांड को अंजाम दिलाया। घटना के संबंध में सुरेश के भाई विजय ने बीना व मनोज पर मुकदमा दर्ज कराया। शुक्रवार को दोनों को जेल भेजा गया।

पुलिस पूछताछ में बीना ने स्वीकारा कि वह मनोज के प्यार में इस कदर अंधी है कि उसे पति या बच्चों की कोई बात समझ नहीं आती थी। हालांकि पति ने दोनों को गांव छोड़कर कहीं बाहर चले जाने की छूट दे दी थी, लेकिन वह यहीं रहना चाहती थी।

इसलिए उसने अपने पति की हत्या की योजना बनाना शुरू किया। उनमें पहले खाने में किस तरह नींद की गोलियां मिलाकर सुलाना है, ये सीखा। फिर गला दबाकर पति की हत्या की योजना बनाई। जब उसमें सफल नहीं होती दिखी तो प्रेमी से हत्या कराने की योजना बनाई। प्रकरण में महिला द्वारा जो भी खुलासे किए गए वे वाकई आश्चर्यजनक हैं। मामले में एक-एक बिंदु पर केस डायरी में भी दर्ज कराया जाएगा, ताकि अदालत में मजबूती से साक्ष्य पेश किए जा सके। - अमृत जैन, एसपी देहात

उत्तर प्रदेश में दलितों पर हो रहा हमला:चन्द्रशेखर

लखनऊ, एजेंसी। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष व नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद चन्द्रशेखर ने उत्तर प्रदेश में दलितों की हो रही हत्या पर सरकार को घेरा है। उन्होंने दलितों पर हो रहे अत्याचार पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों की जान, इज़्ज़त और अधिकार, तीनों पर हमला हो रहा है और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। चन्द्रशेखर ने रविवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि प्रदेश में पिछले चार दिनों में दलित अत्याचारनामा अत्यंत दुख और गहरी चिंता का विषय हैं। इसके बाद प्रदेश में अलग-अलग चार स्थानों पर हुई हत्या का भी जिक्र किया। उन्होंने आठ जुलाई को इटावा में ग्राम प्रधान शंभू दयाल वाल्मीकि की निर्मम हत्या की बात कही। इसके अगले दिन नौ जुलाई को देवरिया में दलित मज़दूर परमहंस प्रसाद की संदिग्ध परिस्थितियों मृत्यु हो गई। परिजनों के अनुसार, अपनी मजदूरी के पैसे मांगने पर परमहंस की बर्बर पिटाई की गई, जिससे उनकी मौत हो गई। इसी तरह 10 जुलाई को आजमगढ़ के मेंहनगर थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव में मंगई नदी के किनारे स्थित एक कूड़ाघर में 21 वर्षीय दलित युवक योगेश राम का शव रस्सी से लटका मिला। मृतक के शरीर पर कई चोट के निशान मिलें। उसके प्राइवेट पार्ट में सूजन थी। शरीर पर सिगरेट से जलाने के निशान भी पाए गए। मृतक का पैर जमीन से छू रहा था। इसके अलावा चौथा मामला फिरोजाबाद जिले का है। जहां 11 जुलाई को टूंडला थाना क्षेत्र में मेला देखने गए 13 वर्षीय दलित किशोर मोहित का शव पोस्ट ऑफिस के पास निर्माणाधीन दुकान की छत पर नग्नावस्था में मिला। शर्ट से हाथ बंधे। शर्ट से ही गला घोंटा गया। कुकर्म के बाद हत्या की आशंका जताई गई। चन्द्रशेखर ने इन मामलों में प्रदेश सरकार से त्वरित न्याय और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पत्नी ने कराई पति की हत्या, तमंचा लेकर थाने पहुंच गया प्रेमी

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में पत्नी के प्रेम संबंधों में बाधा बन रहे सुरेश (32) की बृहस्पतिवार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात को उसकी पत्नी बीना ने प्रेमी मनोज से अंजाम दिलाई थी। आरोपी तमंचा लेकर थाने जा पहुंच गया था और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बीना को भी गिरफ्तार कर लिया था। दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया था।

सीओ बरला गर्वित सिंह के अनुसार, मोहल्ला कोठी का सुरेश दिल्ली में रहकर सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। उसकी पत्नी बीना तीन बच्चों को लेकर गांव में ही रहती थी। परिजन से पूछताछ में पता चला है कि करीब आठ वर्ष पहले सुरेश की पत्नी के पड़ोस में परचून की दुकान करने वाले अविवाहित युवक मनोज से प्रेम संबंध हो गए। इन संबंधों का सुरेश और उसके पूरे परिवार ने विरोध किया। मगर बीना व मनोज ने साथ रहने की ठान ली। वारदात से तीन दिन पहले सुरेश दिल्ली से गांव आया था। उसे बृहस्पतिवार को वापस जाना था। सुरेश सुबह घर के चबूतरे पर बैठकर मोबाइल देख रहा था। तभी मनोज ने उसके सीने में तमंचे से गोली मार दी।

प्रेमी को तमंचा देकर बोली बीना...जा मेरे पति को मार डाल, वरना शक्ल नहीं देखूंगी तेरी: पति को रास्ते से हटाने के लिए बीना ने अपने प्रेमी मनोज संग मिलकर जो साजिश रची। उसका किस्सा सुनकर खुद पुलिस के होश उड़ गए। एसपी देहात अमृत जैन ने बताया कि दोनों ने सुरेश की हत्या के लिए दो प्लान बनाए थे।

पहले रात को नींद में गला दबाकर हत्या करने की योजना थी। लेकिन जब इसमें सफल नहीं हो सके तो बीना ने मनोज को तमंचा दिया और कहा कि सुरेश को मारने के बाद ही अपनी शक्ल दिखाना। यहां तक कहा कि इतनी गोली मारना कि बचने न पाए। पूछताछ में मनोज ने यह स्वीकार किया है।

आरोपी मनोज तमंचा लेकर थाने पहुंचा और यहां उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। कुछ देर बाद ही पुलिस ने बीना को भी हिरासत में ले लिया। घटनास्थल से साक्ष्य संकलन आदि की प्रक्रिया के बाद दोनों से थाने पर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने प्लान बनाया था कि अबकी छुट्टी पर आए सुरेश को जिंदा दिल्ली नहीं जाने देना है। खुद मनोज व बीना ने ये बात स्वीकारी। उनका प्लान था कि पहले रात में खाने में नींद की गोलियां देकर सुरेश को नशे में किया जाएगा। फिर रात में उसकी गला दबाकर हत्या की जाएगी। मगर वह प्लान किसी तरह सफल नहीं हो पाया था। लिहाजा बीना ने तमंचे का इंतजाम कर मनोज को थमा दिया था।

फायरिंग के समय चिल्लाई, आज बच न जाए: सीओ बरला गर्वित सिंह के अनुसार, हत्या से पहले दोनों में फोन पर लगातार बातचीत भी हो रही थी। बीना अपने पति की लोकेशन मनोज को बता रही थी। घटना से पहले बीना ने ही पति को घर के बाहर बैठने भेजा था। मृतक के भाई विजय जब गोली की आवाज सुनकर दौड़कर आए तो बीना मनोज से कह रही थी कि जितनी गोली मारनी है मार, मगर आज बचने न पाए।

पुरामहादेव मंदिर के साथ गुफा मंदिर की सुरक्षा बढ़ाई

बागपत, एजेंसी। जिले में आने वाले 20 लाख से ज्यादा कांवड़ियों की सुरक्षा प्रतिदिन बढ़ाई जा रही है। पुरा महादेव मंदिर के बाद गुफा बाबा मंदिर की सुरक्षा में भी पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। बम डिटेक्शन टीम ने दोनों मंदिरों की जांच की है। एटीएस को सुरक्षा में लगाया गया है। श्रावण मास की महाशिवरात्रि पर्व, कांवड़ यात्रा में पुरा महादेव पर 20 लाख से ज्यादा शिवभक्त कांवड़ियों के आने का अनुमान है। जिसकी सुरक्षा को लेकर रेड अलर्ट भी है। पूरा महादेव मंदिर के साथ गुफा बाबा मंदिर को भी अलर्ट पर रखा गया है। यहां भी लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

जिसको लेकर एसपी सूरज कुमार राय ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। प्रतिदिन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा और जरूरत के हिसाब से ड्यूटी लगाई गई है। रविवार को सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल, एंटी-सैबोटेज टीम, स्थानीय खुफिया इकाई व डॉग स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत मंदिर परिसर, आस-पास के पार्किंग स्थल, दुकानों तथा श्रद्धालुओं की भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गहन जांच की गई। टीमों ने मेटल डिटेक्टर, स्निफर डॉग्स तथा अन्य उच्च तकनीक उपकरणों की सहायता से संभावित संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की गयी। संयुक्त टीम ने श्रद्धालुओं व आम नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षा एजेंसियों का सहयोग करें, किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस प्रशासन को दें तथा अफवाहों से बचे।

शौक पूरा करने के लिए चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ़्तार

फिरोजाबाद, एजेंसी। थाना उत्तर पुलिस टीम ने रविवार को मोटर साईकिल चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को चोरी की मोटरसाईकिलों व नकदी सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त शौक व मौज पूरा करने के लिए मोटरसाइकिलों की चोरी करते थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार चौरसिया के नेतृत्व में थाना उत्तर प्रभारी संजुल कुमार पांडेय ने पुलिस टीम के साथ रविवार को संदिग्ध व्यक्ति व वाहन चेकिंग के दौरान मोटर साइकिल चोरी करने वाले शातिर अभियुक्तगण कुलदीप जाटव पुत्र राजवीर सिंह नेताजी निवासी कस्बा नारखी धौंकल थाना नारखी व अम्बुज पुत्र ग्रीश जाटव निवासी कस्बा नारखी धौंकल थाना नारखी को गांधी पार्क खाली ग्राउण्ड थाना उत्तर से गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इनके कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, 4500 रुपए बरामद किए है।

थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों मोटर साईकिल

चोरों से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया है कि यह वही मोटर साईकिलें हैं जो हमने अलग-अलग जगह से चोरी की हैं। हम चोरी की गयी मोटर साईकिलों को रास्ते चलते लोगों को सस्ते दामों में बेच देते हैं, जिनसे मिले रुपयों को हम अपने शौक व मौज में खर्च कर देते हैं। जो हमसे 4500 रुपये मिले हैं, वह हमने पूर्व में चोरी की मोटर साईकिलों को राहगीरों को सस्ते दामों में बेच दिया था, ये वही बचे हुए रुपये हैं। गिरफ्तार अभियुक्तगण को न्यायालय के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

फार्मेसी के दो हजार अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त, अगले आदेश तक काउंसिलिंग पर लगाई गई रोक

लखनऊ, एजेंसी। फार्मेसी के दो हजार अभ्यर्थियों का प्रवेश निरस्त कर दिया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के लखनऊ खंडपीठ के निर्देश के बाद संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने डिप्लोमा इन फार्मेसी प्रवेश काउंसिलिंग पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश भर के राजकीय व निजी पॉलीटेक्निक में चल रही डिप्लोमा इन फार्मेसी प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। इसी के साथ ही नए सत्र में अभी तक हुए 2000 से अधिक अभ्यर्थियों के दाखिले को भी निरस्त कर दिया गया है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने यह फैसला हाईकोर्ट के लखनऊ खंडपीठ के निर्देश पर लिया है। तीन राजकीय और 1000 से अधिक निजी पॉलीटेक्निक में जून से फार्मेसी के एक लाख से अधिक सीटों पर प्रवेश काउंसिलिंग की प्रक्रिया जारी थी। लेकिन, निजी संस्थानों के

विरोध और हाईकोर्ट के आदेश के बाद परिषद ने बीच में फार्मेसी प्रवेश पर रोक लगा दी। कोर्ट में दायर याचिका के अनुसार, नए संस्थानों में फार्मेसी प्रवेश मान्यता दी गई लेकिन, पुराने संस्थानों को इससे दूर रखा गया। पुराने संस्थान के संचालकों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और फार्मेसी प्रवेश पर रोक लगाने के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश के बाद कि सत्र 2025 के लिए 27 जून से जारी डिप्लोमा इन फार्मेसी पाठ्यक्रम की प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निरस्त कर दिया गया है।

कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में "स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम" का हुआ भव्य आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : छात्रों एवं अभिभावकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली द्वारा भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य अतिथि डीएम मनीष कुमार वर्मा एवं पुलिस उपायुक्त नोएडा यमुना प्रसाद द्वारा विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत पेट्रोलियम के हेड रिटेल नॉर्थ अचमन रेहान, हेड नॉर्थ अचार बीना मंसुख, जीएम नॉर्थ एडमिनिस्ट्रेशन अखिल गुप्ता, स्टेट हेड रिटेल उत्तर प्रदेश अनमोल भोसले, सचिव एडमिनिस्ट्रेशन नॉर्थ संजय सचदेव तथा असिस्टेंट मैनेजर एडमिनिस्ट्रेशन विमल पटेल उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के आयोजन अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा कक्षा 3 से 7 तक के बच्चों को बैग, स्टेशनरी एवं टी-शर्ट प्रदान किए गए तथा अभिभावकों को पूरे 12 महीने की हाउसहोल्ड किट (सफाई सामग्री) वितरित की गई, जिसमें ब्रश, साबुन, क्लीनर, डस्टर आदि सम्मिलित हैं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने अभिभावकों से संवाद करते हुए विद्यालय में उनके बच्चों की स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य की नियमित देखभाल पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत का सपना तभी साकार होगा जब समाज, शिक्षक और अभिभावक मिलकर इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएगें। उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए बच्चों को नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी और कहा कि स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बनाएं, तभी स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत का सपना साकार होगा। ग्रामोद्योग संस्थान की सीईओ अपने बच्चों को स्वच्छता के विषय में सरल एवं व्यावहारिक जानकारी दी। परियोजना निदेशक जितेंद्र ने बच्चों को प्रेरक गीत सुनाए। अर्चना पांडे ने हम होंगे कामयाब गीत की प्रस्तुति से सभी को स्वच्छता हेतु प्रेरित किया। भारत पेट्रोलियम के वरिष्ठ अधिकारी अचमन रेहान ने बच्चों को स्वच्छता की प्रेरणादायक कहानी सुना कर अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मंजू लता सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ तथा कार्यक्रम का सफल संचालन अर्चना पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों द्वारा विद्यालय के समस्त स्टाफ की सराहना की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों और समुदाय में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सहयोग की भावनाओं को सुदृढ़ किया।

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। राजेश पायलट शिक्षा समिति ट्रस्ट द्वारा आयोजित 24वां प्रतिभा सम्मान समारोह-2025 भव्य रुप में संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम में शिवसेना के राष्ट्रीय समन्वयक (NDA गठबंधन एवं चुनाव) डॉ. अभिषेक वर्मा ने मुख्य अतिथि के रुप में विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।डॉ. वर्मा ने समारोह में उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से न केवल अपने माता-पिता का नाम रोशन किया, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया।इस अवसर पर डॉ. अभिषेक वर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि यह सिर्फ सम्मान नहीं, बल्कि एक प्रोत्साहन है।यह हर उस युवा के आत्मबल को नई दिशा देने वाला मंच है, जो अपने लक्ष्य को सही ऊर्जा के साथ प्राप्त करना चाहता है।उन्होंने यह भी कहा कि युवा वर्ग को सशक्त और जागरूक बनाकर ही भारत के भविष्य को मजबूत किया जा सकता है।डॉ. वर्मा सदैव युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं कि वे आत्मविश्वास, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही और आयोजन को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक माना गया।

आई स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-56 के लक्ष्मी नारायण मंदिर में आई केयर हॉस्पिटल द्वारा स्कूली बच्चों के लिए एक आई स्क्रीनिंग कैंप लगाया गया।मंदिर समिति द्वारा मंदिर के प्रांगण से संचालित एस डी बाल विद्या मंदिर स्कूल के 194 विद्यार्थियों व 16 अध्यापिकाओं और अन्य लोगों ने इस कैंप में आंखों की जांच करवाई। जिन्हें दवाई की आवश्यकता थी उन्हें दवाई दी गई व जिन बच्चों को चश्में की आवश्यकता थी उनको नंबर के चस्में बनाकर दिए जाएँगे।विद्यार्थीयों के मनोबल बढ़ाने के लिए स्कूल की प्रिंसिपल मिसेज आशा गुप्ता अपनी अध्यापिकाओं के साथ पूरे समय उपस्थित रहीं।सनातन धर्म सभा के केवी बाबू राव, मंदिर समिति के जे एम सेठ, आर के भट्ट, जी के बंसल, अम्बेश भांबरी, इंद्रपाल खण्डपुर आदि ने सम्पूर्ण व्यवस्था संभाली।अनुभवी ए के गुप्ता अस्वस्थ होने के बावजूद भी इस पूरी टीम का मार्ग दर्शन करते रहे।मंदिर समिति विशेषकर आर एन गुप्ता और ओ पी गोयल ने इन सबके इस सामाजिक कार्य में सहयोग के लिए इनका आभार प्रकट किया।

महामृत्युंजय जाप एवं रुद्राभिषेक अनुष्ठान का शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा के सेक्टर-94 स्थित अंतिम निवास परिसर, जहाँ पूर्व में एक छोटा-सा मंदिर था, वहाँ श्रावण मास के प्रथम सोमवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण में "शिव शंकर कृपा निवास" का विधिवत शुभारंभ किया गया। पिछले वर्षों में वैश्विक महामारी कोरोना, बदलते मौसमों, अत्यधिक ठंड और गर्मी तथा पर्यावरणीय असंतुलन ने आम जनमानस के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है।इन्हीं चिंताओं को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के कल्याण हेतु इस विशेष आध्यात्मिक केंद्र की स्थापना की गई है, जहाँ प्रतिदिन महामृत्युंजय मंत्र का जाप विद्वान पंडितों द्वारा किया जाएगा।इस केंद्र का उद्घाटन आज दोपहर 12:06 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ रुद्राभिषेक द्वारा संपन्न हुआ।यह अनुष्ठान पंडित गौतम ऋषि जी के मार्गदर्शन में पं. हरीश मिश्रा, पं. सौरभ दुबे, पं. राकेश दुबे, एवं पं. देवेंद्र त्रिपाठी द्वारा संपन्न कराया गया।इसके उपरांत, सुधांशु महाराज जी के दिल्ली आश्रम से पधारे 11 विद्वान पंडितों द्वारा महा रुद्राभिषेक और हवन विधिवत रूप से आयोजित किया गया। इस पावन अवसर के मुख्य अतिथि स्वयं देवाधिदेव महादेव थे।सम्पूर्ण वातावरण शिवमय था और हर श्रद्धालु में जैसे शिव तत्व की अनुभूति हो रही थी।इस आयोजन में बड़ी संख्या में शिवभक्तों व श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।संयोजक संस्था नोएडा लोकमंच की ओर से जानकारी दी गई कि "शिव शंकर कृपा निवास" में अब प्रतिदिन प्रातः एवं सायं महामृत्युंजय मंत्र जाप जनकल्याण के उद्देश्य से नियमित रूप से किया जाएगा।इस पहल का उद्देश्य है कि नोएडा एवं आसपास के नागरिकों को एक ऐसी आध्यात्मिक ऊर्जा मिले जो उन्हें रोगमुक्त, मानसिक रूप से सशक्त और अध्यात्म से जुड़ा जीवन प्रदान कर सके।इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण आर्य समाज के डॉ. जयेंद्र आचार्य ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आचरण, नीति एवं जीवनशैली पर सारगर्भित मार्गदर्शन प्रदान किया रहा। उपस्थित भक्तों को भोलेनाथ का विशेष प्रसाद वितरित किया गया।संपूर्ण आयोजन में शिव भक्ति, सकारात्मक ऊर्जा एवं जनकल्याण की भावना स्पष्ट रुप से परिलक्षित हुई।

महिला सेवा शक्ति फाउंडेशन द्वारा सेक्टर 150, नोएडा में पौधारोपण अभियान का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : समाजसेवी संस्था महिला सेवा शक्ति फाउंडेशन ने, नोएडा मे विशाल पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक तेजपाल सिंह नागर विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा,एवम बिलासपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पति संजय भैया चेची, आदि उपस्थित रहे।

पौधारोपण अभियान अंतर्गत करीब 300 पौधे रोपे गए पौधारोपण अभियान में मॉडर्न कॉलेज, साहिबाबाद के छात्रों, सेक्टर के निवासियों, और महिला सेवा शक्ति फाउंडेशन के समर्पित स्वयंसेवकों ने भाग लिया। साथ मिलकर, उन्होंने 300 पौधों का रोपण किया, जो संगठन के पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस अवसर का उद्देश्य हरियाली और स्थिरता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, साथ ही समुदाय की भागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देना था। मुख्य अतिथियों ने महिला सेवा शक्ति फाउंडेशन की पहल की प्रशंसा की और प्रतिभागियों को एक हरित और स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। महिला सेवा शक्ति फाउंडेशन के सामाजिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास प्रेरणादायक रहे हैं, और यह पौधारोपण अभियान समुदाय में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल ने 38 वां स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया

मनोज तोमर-फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। दिल्ली पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, विद्युत नगर में दिनांक १४ जुलाई २०२५ के दिन ३८ वां स्थापना दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कक्षा छह से नवीं और ग्यारहवीं कक्षा के सतलुज सदन के विद्यार्थियों द्वारो 'फाउंडर्स डे' के उपलक्ष्य में एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अभय कुमार मिश्रा महा-प्रबंधक,एन.टी.पी.सी. दादरी, पीवीसी, डीपीएस, विद्युतनगर उपस्थित रहे। उनके करकमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । विद्यालय की प्रधानाचार्य सुश्री पूनम दुआ ने अपने संभाषण में अतिथि का स्वागत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और विद्यालय को फाउंडर्स डे की हार्दिक बधाई दी । तत्पश्चात विद्यार्थियों ने समूहगीत के माध्यम से विद्यालय के स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दी तथा कक्षा 6, 8 और 11 के बच्चों ने नृत्य शैली के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्रो अनन्या सिंह ने अपने संभाषण में स्कूल की यात्रा के बारे में बताया कि कैसे 20 छात्रों और न्यूनतम संरचना से शुरूआत कर शिक्षकों और विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयास से विद्यालय ने वर्तमान समय में महान ऊंचाइयों को प्राप्त किया है । मुख्य अतिथि अभय कुमार मिश्रा ने अपने संभाषण में विद्यार्थियों की प्रस्तुति की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यालय के अधिकतम अंक प्राप्त विद्यार्थी की मेहनत से प्रेरणा लेकर अन्य विद्यार्थियों को भी पूरी लगन एवं मेहनत से उस श्रेणी में आने के लिए प्रयासरत रहने पर बल दिया । साथ ही उन्होंने संस्कृते के शिक्षाप्रद श्लोकों के माध्यम से विद्या का महत्त्व बताया । उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी कथनी एवं करनी में भी समानता बनाए रखते हुए आत्म विश्लेषण करते रहने का सुझाव दिया । कार्यक्रम के अंत में इस विशेष प्रार्थना सभा में कक्षा 7 की वृद्धि पांडे ने सभी अतिथि और कार्यक्रम से जुड़े सभी जनों का हार्दिक धन्यवाद किया। कार्यक्रम कौ संचालिका श्रीमती प्रतिभा सिंह रहीं।

संगठन सृजन को लेकर समीक्षा बैठक

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा में कांग्रेस द्वारा ब्लॉक स्तर पर संगठन सृजन को लेकर कांग्रेस की समीक्षा बैठकें जारी हैं।आज संगठन सृजन अभियान के तहत नॉर्थ ब्लॉक के अध्यक्ष राहुल पांडेय के नेतृत्व में सैक्टर 12 में बैठक का आयोजन किया गया।प्रभारी नरेश भाटी ने बैठक में नए नियुक्त पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी चुनावों की रणनीति पर मंथन किया।प्रभारी ने बताया कि अब प्रत्येक मंडल का नाम संबंधित क्षेत्र के किसी महापुरुष या शहीद के नाम पर रखा जाएगा,जिससे संगठन को सामाजिक,ऐतिहासिक और भावनात्मक मजबूती मिल सके।

महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि बैठकों का उद्देश्य कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करते हुए पंचायत से लेकर ज़िला स्तर तक मजबूती प्रदान करना है।लियाकत चौधरी अल्पसंख्यक राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि यह केवल संगठन निर्माण नहीं, बल्कि विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता राहुल गांधी के विजन को साकार करने हेतु पूर्ण निष्ठा से लगे हुए हैं।ब्लॉक नार्थ में हुई बैठक का संचालन यतेंद्र शर्मा ने किया।इस अवसर पर कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उपस्थित प्रमुख नेताओं में दयाशंकर पांडेय, एस एस सिसोदिया, सुल्तान बिधूड़ी, कैप्टन पी एस रावत,राजकुमार, सुमन राय,मधुसूदन,गोपाल रावत, दिनेश सिंह,वासुन,ललित, हरकेश, रविप्रकाश,गौरव, श्रीवर्धन,भगवती प्रसाद,ललित राव,जितेन्द्र लोधी,सुरेंद्र रावत,सुशील कुमार,प्रशांत मिश्रा,वी एन गोस्वामी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओरिएंटेशन वीक के अंतर्गत छात्रों के लिए करियर मार्गदर्शन सत्र का आयोजन -उद्देश्य के साथ भविष्य की ओर कदम

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। जीएल. बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, ग्रेटर नोएडा में ओरिएंटेशन वीक के अंतर्गत नवप्रवेशी पीजीडीएम छात्रों के लिए एक प्रभावशाली करियर मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का शुभारभ दीप प्रज्वलन एवं चीफ गेस्ट के सम्मान के साथ हुआ। इस सत्र के मुख्य अतिथि श्री जे.पी. सिंह, एचआर प्रमुख, ग्रोज टूल्स थे। सत्र का विषय था झ करियर ग्रोथ एंड चूसिंग राइट करियर फॉर स्टूडेंट्स। श्री सिंह ने छात्रों को आज के प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में सही करियर चुनने और उसमें निरंतर विकास की रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।सत्र के दौरान छात्रों ने वर्तमान उद्योग प्रवृत्तियों, भविष्य में उभरते करियर क्षेत्रों, आत्ममूल्यांकन, करियर लक्ष्य निर्धारण, नेटवर्किंग, इंटर्नशिप के महत्व और लिंक्डइन जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के प्रभावी उपयोग की बारीकियों को गहराई से समझा। श्री सिंह ने अपने व्यावसायिक अनुभवों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया और उन्हें करियर योजना से जुड़ी सामान्य गलतियों से बचने की सलाह दी। साथ ही, इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।इस अवसर पर निदेशक डॉ. सपना राकेश ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, "हम शिक्षा को केवल अकादमिक सीमा तक नहीं, बल्कि जीवन निर्माण की दिशा में एक सार्थक यात्रा मानते हैं।" यह सत्र छात्रों को भविष्य की दिशा में उद्देश्यपूर्ण कदम उठाने हेतु प्रेरित करता है, जो संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राष्ट्र व समाज हित में सरकार पत्रकारों को संवैधानिक अधिकारिकता प्रदान करें : नंद गोपाल वर्मा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : राष्ट्र व समाज हित में सरकार को, पत्रकारों को संवैधानिक अधिकारिकता प्रदान करे और उनके द्वारा प्रकाशित समाचार को एफ.आई.आर का दर्जा दे ताकि पत्रकार स्वतंत्र, निष्पक्ष, व निर्भीक रूप से पत्रकारिता कर सके जिससे देश और समाज में अमन, शांति, सद्भाव एवं समरसता का भाव पैदा हो सके।

उक्त विचार भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा ने जिला गौतम बुद्ध नगर के नोएडा में संगठन की जिला शाखा द्वारा संगठन के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र मलिक की अध्यक्षता में प्रेस-प्रशासन व पब्लिक विषयक आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए व्यक्त किये। गोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक मोहम्मद आजाद ने कहा कि पत्रकार अपने कर्तव्य समझे सरकार व प्रशासन के प्रवक्ता ना बने सच्चाई लाकर उसकी खामियां जनता के सामने उजागर करें सरकार व प्रशासन को जगाने का काम करें, ताकि आम जनता सुकून की जिंदगी जी सकें तथा प्रेस की कमियों को भी दूरस्त करें।

सेक्टर 15 स्थित सामुदायिक केंद्र में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ गौतम बुद्ध नगर शाखा द्वारा संगठन के रजत जयंती अभियान अंतर्गत आयोजित गोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा ने कहां की तथ्य परख सच्चाई युक्त पत्रकारिता ही प्रेस प्रशासन एवं पब्लिक के बीच सामंजस्य स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

मुख्य अतिथि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय सचिव नंद गोपाल वर्मा ने कहा कि प्रेस प्रशासन पब्लिक हित में केंद्र प्रदेश सरकारों को पत्रकारिता के अधिकारिकता का अधिकार संसद में प्रस्ताव पारित करके भारतीय संविधान सम्मिलित करके पत्रकारों को संवैधानिक अधिकार दिया जाना चाहिए ताकि प्रेस प्रशासन और पब्लिक के बीच राष्ट्र में समाज हित में समरसता का भाव पैदा हो सके पत्रकारों को अधिकारिकता की सार्थकता तभी मिलती है जब तथ्यों और सच्चाई के साथ पत्रकार द्वारा प्रकाशित खबरों Fir का दर्जा दिया जाना चाहिए इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा मोहम्मद आजाद नंद गोपाल वर्मा वीरेंद्र मालिक राजेश शर्मा निर्भय कुमार पांडे अक्षय कुमार सुनील सक्सैना अकरम चौधरी रंजीत पांडे इत्यादि पत्रकार उपस्थित रहे

फोर्टिस ग्रेटर नोएडा और ओमैक्स पाम ग्रीन्स एओए के सहयोग से चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-मनोज तोमर- ग्रेटर नोएडा, फोर्टिस अस्पताल, ग्रेटर नोएडा ने ओमैक्स पाम ग्रीन्स एओए के सहयोग से सोसाइटी में चिकित्सा कक्ष की शुरूआत की। इस पहल का उद्देश्य सोसाइटी निवासियों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सोसायटी परिसर में उपलब्ध कराना है।इस चिकित्सा कक्ष का उद्घाटन फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. प्रवीन कुमार और ओमैक्स पाम ग्रीन्स एओए के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासियों ने भाग लिया और इस सुविधा को एक सराहनीय पहल बताया।इस ओमैक्स पाम ग्रीन्स एओए के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है। फोर्टिस के सहयोग से इस चिकित्सा कक्ष की स्थापना यहां के निवासियों के लिए एक बड़ा कदम है। हमें खुशी है कि अब जरूरी स्वास्थ्य सहायता यहीं पर उपलब्ध होगी। इस अवसर पर एओए की उपाध्यक्षा नीतू वर्मा, सचिव निखिल वकील, कोषाध्यक्ष मुकेश कुलहरी और कार्यकारिणी सदस्य शरद जैन, श्री पंकज बीर, भारत द्विवेदी, विनय शर्मा और संजय वर्मा भी उपस्थित रहे।फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. प्रवीन कुमार ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि शहर की ज्यादा से ज्यादा रिहायशी सोसाइटीज तक हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाएं। यह चिकित्सा कक्ष नियमित देखभाल, समय पर जांच और आपातकालीन स्थितियों में मदद का केंद्र बनेगा।ग्रेटर नोएडा के सेक्टर एमयू (MU) के ओमैक्स पाम ग्रीन्स स्थित इस चिकित्सा कक्ष में सप्ताह में एक बार डॉक्टरों द्वारा ओपीडी परामर्श, प्रतिदिन नर्सिंग सहायता, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर जैसी आवश्यक जांच, और जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस सेवा जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

कांग्रेसिओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज करने के खिलाफ प्रदर्शन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री सहित 10 कांग्रेसियों पर हुए फर्जी मुकदमे को लेकर आज 14 जुलाई 2025 को सैक्टर 19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय नोएडा पर नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया के माध्यम से राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपा गया।महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती है।सिर्फ लोक लुभावन नारे गढ़कर जनता को छलने का कार्य कर रही है।प्रदेश में विकास के नाम पर लूटतंत्र हावी है। जगह जगह बरसात में सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जगह जगह जल भराव और सीवर जाम की समस्या से जनता त्रस्त है।योगी की भाजपा सरकार सिर्फ भ्रष्टाचार का प्रयाय बन चुकी है।प्रवक्ता पवन शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करने पर दमनात्मक कार्यवाही करते हुए फर्जी मुकदमे दर्ज कराकर विपक्षी नेताओं और कार्यकताओं की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की दमनात्मक कार्यवाही का नतीजा यह है कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, जिला अध्यक्ष एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता वाराणसी में 10 जुलाई को जल भराव, सीवर जाम, दुकानदारों की समस्या , जाम की समस्या एवं कावड़ यात्रा से संबंधित अव्यवस्था को लेकर पोल खोल यात्रा निकाल रहे थे तो उन पर फर्जी मुकदमे दर्ज कर दिए गए। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता इस दुराग्रहपूर्ण ओर दमनात्मक कार्यवाही का पुरजोर विरोध करती है और महामहिम से निवेदन करती है कि सभी के मुकदमे निरस्त किए जाएं और संविधान की रक्षा करें जिससे जनता की आवाज को दबाया न जा सके।आज के प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारियों में अध्यक्ष मुकेश यादव, लियाकत चौधरी, पवन शर्मा, राजकुमार भारती, सतेंद्र शर्मा, ललित आवान, यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, एस एस सिसोदिया, दयाशंकर पांडेय, राहुल पांडेय, रामकुमार शर्मा, कैप्टन पी एस रावत, सतीश पांचाल, अरुण प्रधान, वाशिम खान, ईश्वर कुमार, अमित, निरंजन, पंकज वाल्मीकि सहित दर्जनों अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के सुझाव पर अमल करे चुनाव आयोग- अवैध घुसपैठियों के खिलाफ भी हो कड़ी कार्रवाई

संतोष कुमार पाठक

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर,उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है।

बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान-रक्कर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लंबी सुनवाई करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जरूरी मान्य दस्तावेजों में आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी शामिल करने पर विचार करे। देश की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव आयोग से कई अहम मुद्दों पर जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक नहीं लगाई है। यानी चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया यह विशेष अभियान चलता रहेगा। लेकिन अदालत ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर बिहार के आम मतदाताओं की मुश्किलों को भी आसान करने का प्रयास किया है। इससे पूरी प्रक्रिया आसान होगी और वोटर लिस्ट को लेकर जिस तरह की आशंकाएं पैदा हो रही है, उसे भी कम करने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में चुनाव आयोग का काम ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को वोटर लिस्ट में शामिल कर, उन्हें वोट देने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करना है। चुनाव आयोग का काम वोटर लिस्ट से जीवित मतदाताओं का नाम हटाना नहीं है। चुनाव आयोग किसी भी मतदाता से उसका मताधिकार कतई नहीं छीन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बिहार सहित पूरे देश में आधार कार्ड को जिस तरह से बाकी सभी कार्डों, बैंक खातों और

सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया है, उसके बाद आधार कार्ड को पूरी तरह से खारिज करने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे। बिहार में कई जिलों में इस अभियान के तहत आधार कार्ड को स्वीकार किया जा रहा था और कई जिलों में नहीं किया जा रहा था, जिससे कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई थी। ऐसे में यह बहुत जरूरी माना जा रहा था कि चुनाव आयोग कोई बीच का रास्ता निकाले।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही रक्कपर रोक नहीं लगाई हो लेकिन टाइमिंग को लेकर जो सवाल पूछे हैं, उससे चुनाव आयोग की इस पूरी कवायद पर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव और चुनाव आयोग के इस अभियान को लेकर सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल भी पूछे। हालांकि जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने साफ-साफ कहा कि वे संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसे करना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने चुनाव आयोग को अपना जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। वहीं याचिकाकताओं को उसके एक सप्ताह बाद जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

यह मामला केवल बिहार तक ही सीमित रहने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में दूसरे राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा कैसे होगी, यह बिहार के मॉडल पर निर्भर करेगा इसलिए सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले पर सबकी नजरें बनी रहेंगी।

हालांकि यह भी एक कड़वा सच है कि बिहार सहित देश के कई राज्यों में अवैध घुसपैठियों की भरमार हो गई है। भारत 70 के दशक से ही बांग्लादेश से आने वाले अवैध घुसपैठियों से त्रस्त रहा है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान म्यामांर से भी रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ देश में बढ़ती जा रही है। देश के कई जिलों में इन अवैध घुसपैठियों की वजह से हालात काफी भयावह हो गए हैं,इसे नकारा नहीं जा सकता है। बिहार के भी कई जिले, अवैध घुसपैठियों से भरे पड़े हैं, इस सच्चाई को भी खारिज नहीं किया जा सकता। कहा जाता है कि बिहार के सीमांचल इलाकों में अवैध घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ी है लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार का हर जिला बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से पीड़ित है। बिहार के मिथिलांचल इलाके में भी अवैध घुसपैठियों की संख्या खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन इस समस्या का समाधान कर पाना चुनाव आयोग के वश में नहीं है। इसके लिए केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्रालय को विभिन्न एजेंसियों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर अभियान चलाना होगा। एक तरफ सीमा से होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोकना होगा, दूसरी तरफ सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक ढांचे को भ्रष्टाचार मुक्त और चुस्त-दुरुस्त बनाना होगा। इसके साथ ही देश में घुस चुके घुसपैठियों को देश से हर कीमत पर बाहर भगाने के लिए भी एक व्यापक अभियान चलाना होगा। यह समय की मांग है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बाहर भगाने के लिए जल्द से जल्द इस तरह का अभियान बड़े पैमाने पर शुरू किया जाए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

संपादकीय

रिपोर्ट पर रार

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है। 10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है। विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रेत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत 'मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। विमान के रखरखाव में कमी, लापरवाही या साजिश का नतीजा था, यह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सूक्ति

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं।
- अज्ञात

जो आदमी सच्चा कलाकार है, वह स्वार्थमय जीवन का प्रेमी हो ही नहीं सकता।
- प्रेमचंद

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक।

एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर

सरकार का ऑपरेशन कालनेमिः ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में संभवतःभारत ही एक ऐसा देश है जिसकी देवभूमि पर, पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल है, लोगों में भरपूर धार्मिक आध्यात्मिक आस्था श्रद्धा है, जो एक अच्छी बात है, अभी चल रही अमरनाथ यात्रा व कावड़ यात्रा में हम सभी यह देख रहे हैं ऐसे अनेंको अवसर प्रतिदिन अनेक राज्यों में आते रहते हैं जहां भक्तों की भीड़भाड़ लगी रहती है व सबसे अच्छी बात यह है कि आध्यात्मिक स्थल, ट्रस्ट, अनेकों सेवा समितियां व संस्थाओं द्वारा भक्तों की सेवा व ध्यान रखा जाता है, ठीक उसी तरह शासन प्रशासन भी भक्तों की सुरक्षा व व्यवस्था में पूर्ण सहयोग करता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सुरक्षा, सेवा, देखभाल कितनी में चाक चौबंद क्यों ना हो, कुछ ना कुछ लीकेजेस होते रहते हैं जिनमें भक्तों को बहुत परेशानी, ठगी, धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ता है, जो उनसे इस आध्यात्मिक परिसर या बाहर में हो सकता है, उसी का संज्ञान लेकर उत्तराखंड सरकार ने ऑपरेशन कालनेमि चलाया है, जो मेरे विचार से बहुत ही शानदार पहल है, मैं इसआर्टिकल के माध्यम से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रीयों से निवेदन, अनुरोध करना चाहूंगा कि, कालनेमि, इसका संज्ञान लेकर यह ऑपरेशन तुरंत लागू करें ताकि पूरे भारत में लागू हो जाए क्योंकि इस क्षेत्र में बहुत से देशी विदेशी अपराधिक छवि वाले भी घुसे हुए हैं, जिनकी दुकानदारी जोरों से चल रही है व भक्त ठगी धोखाधड़ी पाखंड का शिकार हो रहे हैं जिनका सटीक उदाहरण है कि, उत्तराखंड सरकार ने यह अभियान चलाकर तेजी से धरपकड़ कर एक ही दिन में 25 से अधिक ऐसे पाखंडी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है जिसमें एक पड़ोसी मुल्क का नागरिक भी शामिल है, इस अभियान की कढ़ाई को देखकर अब नकली बाबाओं में भारी हड़कंप मच गया है, व घरपकड़ के डर से भी अपने स्थान छोड़कर अन्य राज्यों की ओर रुख कर रहे हैं इसीलिए सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेकर इसी तरह का अभियान चलाने की जरूरत है, चूँकि आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी व नकली बाबाओं पर शिकंजा कसा जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार का ऑपरेशन कालनेमि-ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम ढोंगी नकली पाखंडी बाबाओं को समझने की करें तो, ढोंगी पाखंडी बाबा को होते हैं जिनके पास, न तो शिक्षा और ना ही किसी मंदिर या मठ का दस्तावेज है, ऐसे ही लोगों को पकड़ने के निर्देश दिए गए हैं, इसी के चलते शुक्रवार को देहरादून पुलिस ने ऐसे 25 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास ना तो कोई ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा है और ना ही उनके पास किसी मठिया मंदिर का कोई ऐसा दस्तावेज जिससे वह साबित कर पाए कि वह सही मायने में साधु या संत है, ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया, इन पकड़े गए 25 ढोंगी बाबाओ मैं अनेकों राज्यों के लोग शामिल है, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, असम, उत्तराखंड के लोग हैं। वहीं इन 25 लोगों में से एक व्यक्ति बांग्लादेश का मूल निवासी भी पाया गया है, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े।

साथियों बात अगर हम उत्तराखंड में ढोंगी बाबाओ को पकड़ने ऑपरेशन कालनेमि की करें तो, देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड की छवि को धूमिल करने वाले पाखंडी बाबाओं के खिलाफ उत्तराखंड सरकार द्वारा सख्त रुख अपनाया गया है, इसी के तहत ऑपरेशन कालनेमि के नाम से एक अभियान की शुरूआत की गई है, इस अभियान के अंतर्गत जो भी लोग नकली साधु बन कर या साधुओं की वेशभूषा अपनाकर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखंड में पग-पग पर आध्यात्मिक स्थल हैं, उसके बाहर साधु-संत और बाबा भी मौजूद रहते हैं, इनमें से कई तो सच्चे साधु-संत हैं लेकिन कई फर्जी भी, इन फर्जी बाबाओं के पास ज्ञान तो ना के बराबर होता है लेकिन आडंबर पूरा, अब उत्तराखंड पुलिस ने ऐसे फर्जी बाबाओं को धर-पकड़ के लिए एक विशेष अभियान छेड़ा है, ऑपरेशन कालनेमि इस ऑपरेशन के तहत देहरादून में 25 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है ये सभी नकली साधु या बाबा आम लोगों को ठगने का काम कर रहे थे, पुलिस ने इन सभी लोगों को गिरफ्तार किया है, उन लोगों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश राज्य सरकार ने दिए हैं, कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन कालनेमि की शुरूआत थी, इसमें सभी जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में इस तरह के साधु-संतों का पेज धारण कर सड़क के किनारे या फिर गली मोहल्ले में घूमने वाले बाबो को भी चिन्हित कर पकड़े, इस अभियान पर कार्यवाही करते हुऐ दून पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है. पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान 25 ऐसे बाबाओं को हिरासत में लिया गया है, जो कि किसी प्रकार के संगठन से जुड़े हुए दस्तावेज नहीं प्रस्तुत कर सके, पुलिस को अंदेशा है कि साधु संन्यासियों का वेश अपनाकर कई मुजरिम भी आम जनमानस के बीच मौजूद हो सकते हैं जिसको ध्यान में रखते हुए इस अभियान को आगे भी जारी रखने की जरूरत है तथा इसे पूरे भारत में सभी राज्यों ने लागू करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए. उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें, सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पाखंड और अंधविश्वास के नाम पर जनता को गुमराह करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए, उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की धार्मिक, जातीय या पंथीय पहचान की परवाह किए बिना राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीतिअपनाएगी और सख्त कदम उठाएगी, जनता से यह अपील गई गई है कि अगर उन्हें किसी भी फर्जी बाबा या ढोंगी के बारे में जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को इसकी जानकारी दें, ताकि उनके विरुद्ध सख्त कदम उठाए जा सकें।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सरकार का ऑपरेशन कालनेमि- ढोंगी नकली पाखंडी साधु संतों में भारी हड़कंप- सभी राज्यों ने इसका संज्ञान लेना समय की मांग, आध्यात्मिक आस्था की प्रतीक भारतीय देवभूमि पर आस्था पूजा श्रद्धा के नाम पर ठगी करने वाले नकली बाबाओं पर शिकंजा कसना जरूरी, आध्यात्मिक आस्था व देवभूमि की छवि धूमिल करने वाले पाखंडी ढोंगी नकली बाबाओं की सफल धरपकड़-उत्तराखंड सरकार का कालनेमि ऑपरेशन सराहनीय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अब वोटर बनने के लिए नागरिकता का शिगूफा!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

अब तक भारत में पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड को सबसे जरूरी दस्तावेज माना जाता था। लेकिन हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है। यह बदलाव खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो आधार या पैन कार्ड नही बनवा पाए है।इन दो दस्तावेजों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम व नागरिकता प्रमाणपत्र को अब पहचान और नागरिकता के पुख्ता सबूत के रूप में स्वीकार किया जाएगा, खासकर सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट आवेदन, नौकरी या बैंक खाता खोलने जैसे मामलों में ये दस्तावेज काम आएंगे।यदि आपका नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में में नहीं है, तब आप नागरिकता प्रमाणपत्र के माध्यम से अपनी नागरिकता साबित कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है।नागरिकता प्रमाणपत्र लेने के लिए जरूरी दस्तावेज में जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल का प्रमाणपत्र,साथ ही माता-पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज,इसके लिए सन

1950 से पहले का कोई भी निवास प्रमाणपत्र जैसे जमीन का रिकॉर्ड, राशन कार्ड आदि जिसे शपथ पत्र व दो गवाहों द्वारा सिद्ध किया जा सकता है।दरअसल आधार कार्ड एक पहचान पत्र है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है।वही पैन कार्ड मुख्यतः टैक्स से जुड़ा दस्तावेज है, जो नागरिकता को प्रमाणित नही करता।जिन लोगो का आधार कार्ड या पैन कार्ड में नाम, जन्मतिथि या पता गलत है या

जो सन 1950 से पहले के प्रवासी हैं या जिनके पूर्वज दूसरे देश से आए थे।या जो शरणार्थी है या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम नहीं है और अब तक कोई वैध नागरिकता प्रमाणपत्र जिन्होंने नही बनवाया।

उन सभी को तुरंत संबंधित दस्तावेज इकट्ठा करके अपना नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर

में नाम जुड़वाना चाहिए या नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए। इसके लिए हर राज्य में नागरिकता प्रमाणपत्र केंद्र बनाए जा रहे हैं।एनआरसी अपडेट करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की जा रही है,जिसके लिएडिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है, जहां से फॉर्म भरे जा सकते हैं।स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों को उक्त दस्तावेज तैयार करने में मदद करें।सरकार ने अब तक भारत के प्रत्येक नागरिक को आधार कार्ड देने की मुहिम तो चलाई लेकिन नागरिकता प्रमाण पत्र के बारे में कभी नही सोचा गया। भले ही भाजपा ने सन 2014 के बाद अभी तक ज्यादातर चुनाव बिना किसी डर के जीते है लेकिन जब तीसरे आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा जनता ने नकार दिया तो भाजपा को सत्ता में बने रहने की फिक्र हुई और भाजपा सरकार के कहने पर पहली बार केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार से मतदाताओं की नागरिकता जांचने की मुहिम शुरू की, जो अब सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई दायरे में पहुंच गई है। यदि ये मुहिम भारत सरकार का गृह मंत्रालय उसी तर्ज पर चलाता जैसे कांग्रेस सरकार ने आधार पहचान पत्र के लिए देशव्यापी मुहिम चलाई थी,तब हम सब इसका समर्थन करते,लेकिन दुनिया के तमाम देशों में जन्मजात और अनुवांशिक नागरिकता प्रचलित है इसलिए सभी के पास अलग से कोई नागरिकता प्रमाण पत्र नही होता। नागरिकता प्रमाणपत्र उन्ही प्रदेशियों के लिए जारी किया जाता है जो इसके लिए बाकायदा आवेदन करते हैं। भारत में आमतौर से कोई भी शासकीय सुविधा या अधिकार पाने के लिए आयकर प्रमाण पत्र से ज्यादा महत्व आधार पहचान पत्र को दी जा रही है। ज्यादातर के पास वंशानुगत या जन्म आधारित नागरिकता है लेकिन इसका कोई प्रमाण पत्र भी किसी के पास नहीं है। हालांकि पासपोर्ट के आधार पर पूरी दुनिया देश के नागरिकों को भारतीय मानकर अपने यहां आने- जाने देती है, कारोबार करने देती है। लेकिन पासपोर्ट को अपने देश में नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं माना जाता। यदि विदेशी सरकारें भी भारत सरकार की तरह पासपोर्ट के आधार पर हमें भारतीय मानने से इंकार कर दें तो हम कहीं आ जा भी नही सकेंगे। यद्यपि पासपोर्ट जारी ही तब किया जाता है जब जन्म का, आवास का, संपत्ति का और पुलिस द्वारा चरित्र का सघन सत्यापन करा लिया जाता है, यही प्रक्रिया मतदाता पहचान पत्र जारी करने मे अपनाई जाती है। ऐसे में यदि बिहार या देश के किसी भी राज्य में जारी मतदाता पहचान पत्रों को संदिग्ध माना जा रहा है तो इसके लिए दोषी स्वयं केंद्रीय चुनाव आयोग है। चुनाव आयोग का बीएलओ से लेकर जिला स्तर का अधिकारी इस प्रक्रिया में दोषी है। क्योंकि उन्होंने ही एक लंबी प्रक्रिया के बाद आधार कार्ड आदि दस्तावेज बनवाये है।नागरिकता प्रमाण पत्र मुख्य रूप से उन लोगों को जारी किया जाता है जो जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्रीय समावेशन के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं, नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक, भारत में जन्मे अधिकांश लोग स्वतः नागरिक माने जाते हैं, और उनके लिए नागरिकता का प्रमाण आमतौर पर जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, या अन्य दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि के माध्यम से स्थापित किया जाता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाकर मौजूदा सरकार ने असम में एन आर सी प्रक्रिया के तहत नागरिकता सत्यापन करने का अभियान चलाया था जिसमें लगभग 1.9 मिलियन लोग नागरिकता साबित करने में असफल रहे है, लेकिन इनमें से किसी को भी देश निकाला नहीं दिया गया है। यही सब अब बिहार में बिना एन आर सी के करने की कोशिश की जा रही है।जिससे साफ है कि बिहार से भी किसी को नहीं निकाला जाएगा, केवल उनका मताधिकार छीना जाएगा ताकि वे भाजपा को न हरा सकें।वास्तविकता यह है कि भारत की कुल जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, इनमें से अधिकांश लोग जन्म के आधार पर स्वतः भारतीय नागरिक हैं।केवल उन लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है जो गैर-नागरिक पृष्ठभूमि से आते हैं या जिन्होंने पंजीकरण/प्राकृतिकरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है।ऐसे में आधार कार्ड ,पैन कार्ड आदि को दरकिनार कर नागरिक प्रमाण पत्र को आधार बनाकर वोटर तय करना आज के समय मे बेमानी ही कहा जायेगा।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

समयपुर बादली इलाके में डिलीवरी बॉय को चाकू मारकर बदमाशों ने बाइक लूटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। समयपुर बादली इलाके में बदमाशों ने डिलीवरी बॉय को चाकू मारकर उसकी बाइक लूट ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार वालों ने पीड़ित को पास के अस्पताल में उसका इलाज करवाया। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। रोहिणी निवासी विकास समयपुर बादली मेट्रो के पास स्थित ब्लिंकिट कंपनी के गोदाम में डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार 12 जुलाई की रात विकास स्वरूप नगर में सामान डिलीवरी करने के बाद बाइक से घर आ रहे थे। रात करीब 12.15 बजे सेक्टर-18 रोहिणी में स्कूटी सवार दो युवकों ने ओवरटेक कर उनकी बाइक रोक ली। स्कूटी सवार बाइक की चाबी मांगने लगा। दूसरा पीछे से आया और चाकू से उसकी पीठ और कमर के बीच हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोपी मोबाइल और बाइक छीन कर भाग गए। किसी तरह घर पहुंचने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी।

चोरी के मामले में पिता और पुत्र गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकासपुरी थाना पुलिस ने वाहनों की चोरी करने वाले बदमाश को पिता के साथ गिरफ्तार किया है। पिता की पहचान रटोल बागपत यूपी निवासी मोहम्मद जमील और बेटे की हसरत अली के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक मारुति इको वैन और चोरी की टाटा ऐस के चार टायर बरामद किए हैं। पुलिस ने चोरी किए गए वाहन के बाकी पुर्जों की बरामदगी के प्रयास कर रही है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 2 जुलाई को विकासपुरी थाने में एक टाटा ऐस कार चोरी होने की शिकायत मिली थी। टीम ने घटनास्थल और भागने के संभावित रास्तों की सीसीटीवी फुटेज की जांच की। 13 जुलाई को दोनों के उत्तम नगर में मौजूदगी का पता चला। जहां से पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। हसरत अली पर एक दर्जन से अधिक वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं, जबकि उसके पिता पर पहले से तीन मामले दर्ज हैं। हसरत अली ने पूछताछ में बताया, वह पहले भी पिता के साथ वारदात को अंजाम दे चुका है। वह वाहनों की चोरी करने के बाद उसको काटकर उसके पुर्जे बाजार में बेच देते हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर आपराधिक रिकार्ड का पता लगा रही है।

पार्किंग विवाद में पेट्रोल डालकर सफाईकर्मी को जलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के आरके पुरम थाना क्षेत्र में बाइक मिस्त्री ने मामूली कहासुनी में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सफाई कर्मचारी राहुल चौहान के ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अस्पताल में भर्ती राहुल 20 फीसदी तक झुलस गया है। आरके पुरम थाना पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी मिस्त्री गया प्रसाद को पालम गांव स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। वहीं यह भी बताया जा रहा है राहुल अपने साथियों के साथ सिगरेट पी रहा था। पेट्रोल डालने से आग लग गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि घटना 13 जुलाई की रात करीब 9.30 बजे की है। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि राहुल अपने भाई सिद्धांत राज और दो अन्य लोगों के साथ एक मारुति बलेनो कार में बैठा था। कार पास ही मौजूद बाइक मिस्त्री गया प्रसाद उर्फ कालू की दुकान के पास खड़ी थी। उपायुक्त ने बताया कि गया प्रसाद ने कार हटाने के लिए कहा, लेकिन राहुल और उसके साथियों ने मना कर दिया। इसी बात से नाराज़ होकर आरोपी ने पेट्रोल उठाकर राहुल पर फेंक दिया। उस वक्त राहुल और उसके दोस्त सिगरेट पी रहे थे, जिससे आग लग गई। आग से राहुल का चेहरा व और सीना झुलस गया। साथ ही कार का कुछ हिस्सा भी जल गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार राहुल व उसके तीन साथी वसंत गांव के रहने वाले हैं। चारों ही एमसीडी में सफाई कर्मचारी हैं। ये लोग भाजपा के कार्यकर्ता भी हैं। ये कार में पार्टी कर रहे थे। घायल के चचेरे भाई सिद्धांत राज ने पुलिस को बयान देते हुए पेट्रोल डालने का आरोप गया पर लगाया है।

पैरों में छाले, चेहरों पर थकान, शिव भक्तों का कम नहीं हो रहा उत्साह

-कांवड़ियों ने कहा, शिव की कृपा से यात्रा हो जाती है पूरी, शिविरों में व्यवस्था से भी दिखे संतुष्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन की शुरुआत के साथ ही दिल्ली की सीमाएं शिवभक्ति में डूबने लगी हैं। सोमवार तड़के जैसे ही हरियाणा और राजस्थान की ओर से पहले जत्थे के कांवड़िए दिल्ली के बॉर्डर शिविरों में पहुंचे, तो माहौल बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। उनके थके चेहरे थे, लेकिन जोश से भरे कदम दिखे। उत्तर प्रदेश से सटे सभी बॉर्डर पर शिविरों में कांवड़ियों का स्वागत पानी, प्राथमिक उपचार, आरामगृह और भंडारे से किया गया।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में जीटी रोड पर गुरुग्राम जिला के कांवड़िए किशन कुमार ने बताया कि हर साल आते हैं और दिल्ली में हर बार कुछ अलग मिलता है। इस बार विश्राम करने की व्यवस्था और सफाई अच्छी है। वहीं इसी जिले के नीरज ने कहा कि पांच दिन से लगातार पैदल चल रहे हैं। यहां पहुंचकर कुछ राहत मिली है, लेकिन असली सुकून तब मिलेगा जब अपने शहर पहुंचेंगे। उनके साथी रमेश ने बताया कि पैरों में छाले हैं, लेकिन मन में सिर्फ भक्ति है। शिव की कृपा है, तभी हर बार यह यात्रा पूरी होती है। उधर, पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन में पहुंचे राजस्थान के कांवड़िए राजेंद्र कहते हैं कि दिल्ली की व्यवस्था साल दर साल बेहतर हो रही है। पानी-बिजली और सफाई में इस बार खास ध्यान दिया गया है, वहीं महिलाओं के लिए बनाए गए विशेष विश्रामगृहों पर महिला कांवड़ियों ने संतोष जताया। जबकि राजस्थान के ही जीतमल ने कहा कि हम हर साल आते हैं। यहां हमारी यात्रा आसान होती जा रही है। दूसरी ओर एक सप्ताह से पैदल चल रहे राजस्थान के भरतपुर निवासी दीपेंद्र और उनके दोस्तों ने जीटी रोड पर प्रवेश करते हुए कहा कि थकान है, मगर जब बोल बम बोलते हैं, तो दर्द गायब हो जाता है। दिल्ली पहुंचना पहला बड़ा पड़ाव है, अब से रास्ता और सुंदर लगेगा।

रेखा गुप्ता ने मास्टर प्लान, 2041 की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक बुलायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लंबे समय से लंबित दिल्ली मास्टर प्लान (एमपीडी), 2041 के प्रावधानों की समीक्षा के लिए सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल 2023 में केंद्र को मसौदा योजना प्रस्तुत की थी, जिसे अभी तक केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा स्वीकृति नहीं दी गयी है।

सूत्रों ने बताया कि डीडीए उपाध्यक्ष मुख्यमंत्री और उद्योग, पर्यावरण व राजस्व से संबंधित विभागों के प्रमुखों सहित वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष मसौदे पर एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे।

यह बैठक औद्योगिक विकास पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जिसमें दिल्ली सरकार तीन प्रस्तावित औद्योगिक क्लस्टर – कंझावला, रानीखेड़ा और बापरोला में लगभग 1,200 एकड़ क्षेत्र को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित करने की योजना बना रही है।

इन क्लस्टर को सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), जैव प्रौद्योगिकी और अनुसंधान जैसे सेवा क्षेत्रों को आकर्षित करने के लिए तैयार किया जा रहा है, और इनसे राजधानी में लाखों रोजगार पैदा होने का अनुमान है।

अधिकारियों ने बताया कि विकास मॉडल को अंतिम रूप देने के लिए एक वैश्विक परामर्श कंपनी की मदद ली जा सकती है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने 28 फरवरी, 2023 को हुई एक बैठक में एमपीडी-2041 के मसौदे को मंजूरी दी थी। सक्सेना डीडीए के अध्यक्ष भी हैं।

पहला मास्टर प्लान 1962 में दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 के अंतर्गत लागू किया गया था। ये मास्टर प्लान 20 वर्ष की अवधि के लिए तैयार किए जाते हैं तथा शहर के नियोजित विकास के लिए एक समग्र रूपरेखा प्रदान करते हैं।

दिल्लीवालों की चिंता छोड़ मंत्रियों के लिए लाखों के फोन खरीदेगी सरकार : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भाजपा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए लाखों रुपए के मोबाइल फोन खरीदने के किए गए फैसले पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है. ''आप'' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्लीवालों की चिंता छोड़ अपने मंत्रियों के लिए लाखों रुपए के मोबाइल फोन खरीदने जा रही है. भाजपा को अपने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए 1.50 और 1.25 लाख रुपए का फोन और अनलिमिटेड बिल का ऑर्डर निकालने में जरा भी देर नहीं लगी, लेकिन महिलाओं को 2500 रुपए देने के लिए कमेटी बना दी. सरकार को मंत्रियों के फोन के लिए भी कमेटी बनानी चाहिए थी. निजी स्कूलों में फीस वृद्धि, जल भराव, ट्रैफिक जाम, गरीबों के मकान तोड़ने से परेशान दिल्लीवाले भाजपा के सारे कारनामे देख रहे हैं.

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की लाखों महिलाओं को भाजपा ने वादा किया था कि 8 मार्च 2025 से पहले उनके खातों में हर महीने 2500 रुपए आने शुरू हो जाएंगे. वह पैसा तो आया नहीं, उल्टा उसके लिए एक कमेटी बना दी गई. वह कमेटी बस मीटिंग-मीटिंग खेल रही है और अभी तक पैसे का कोई अता-पता नहीं है. सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब खुद के लिए 1.5 लाख रुपए का फोन लेना हो और अनलिमिटेड बिल का ऑर्डर निकालना हो, तो वह तुरंत पास हो गया. इसके लिए भी भाजपा एक कमेटी बना लेती. वह कमेटी जाकर ढूंढती कि कौन सा मोबाइल कितने का आता है, कौन से मुख्यमंत्री के लिए ठीक रहेगा, कितना बिल आना चाहिए और सरकार को कितना बिल देना चाहिए. वहां कमेटियां क्यों नहीं बनाई जातीं हैं? अपना काम तुरंत, लेकिन जनता के लिए काम कमेटी-कमेटी. यह जो भाजपा कर रही है, दिल्ली के लोग इसे देख रहे हैं.

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि दिल्ली भाजपा की मुख्यमंत्री और मंत्रियों को बधाई. सीएम और मंत्री 1.5/1.25 लाख का फोन और अनलिमिटेड बिल की योजना पास हुई है, विकास होना चाहिए, किसी का तो हो रहा है. 2500 रुपए नहीं भी दिए तो क्या, प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ी तो क्या, दिल्ली में खूब जल भराव हुआ तो क्या, बारिश में घंटों ट्रैफिक जाम तो क्या, हजारों विधवाओं की पेंशन काटी तो क्या, गरीब का मकान टूटा तो क्या? महिलाओं को 2500 देने पर कमिटी बना दी, 8 मार्च निकल गई, कमेटी-कमेटी खेल रहे हैं. किसी एक महिला को 2500 नहीं दिए. अपने फोन के लिए भी कोई कमेटी बना देते, वर्षों तक चर्चा करते कि कितने का फोन होना चाहिए.

दिल्ली में हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे मंदिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में सावन के पहले सोमवार के अवसर पर शिवालयों में आस्था का जनसैलाब उमड़ा। अल सुबह से ही श्रद्धालु शिवालयों में दर्शन और पूजा अर्चना करने पहुंचे। दिनभर मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। राजधानी के कई मंदिरों में देररात से ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह दिखाई दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक मंदिर में दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। दोपहर तक शिवालयों के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए विभिन्न मंदिरों में अतिरिक्त सेवादार तैनात किए गए।

शिवालयों में शिव भक्त बम-बम बोले, हर-हर महादेव का जयघोष लगाते रहे। मंदिरों में सुबह से ही घंटे की ध्वनि और भजन-कीर्तन की धुन गूंजने लगी। श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के साथ बेलपत्र और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। वहीं, कांवड़ियों के लिए मंदिरों में अलग से व्यवस्था की गई थी। देर रात से लग गईं कतारें राजधानी के प्रसिद्ध मंदिरों से लेकर स्थानीय शिवालयों में सावन के पहले सोमवार के दौरान शिव भक्तों का उत्साह देखते ही बना। श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर सहित अलग-अलग मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्री कालकाजी मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। श्री कालकाजी मंदिर प्रबंधक सुधार समिति के सचिव सिद्धार्थ भारद्वाज ने बताया कि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसका विशेष ख्याल रखा जा रहा है। चांदनी चौक स्थित प्राचीन श्री गौरी शंकर मंदिर में रविवार देर रात से सोमवार देर शाम तक दर्शन के लिए लगभग एक लाख श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर के महासचिव सुभाष गोयल ने कहा कि मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बीते वर्ष से अधिक है। ऐसे में भगवान शंकर का शृंगार करने के बाद फिर से पट खोला गया। जब तक हर श्रद्धालु दर्शन नहीं कर लेते तब तक मंदिर खुला रहेगा। झंडेवाला देवी मंदिर में भगवान शंकर का रुद्राभिषेक किया गया। प्राचीन गुफा वाले शिवालय में भक्तों ने पूजन किया।

केरल नगर पालिका के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के महापौर से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों की ली जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 14 जुलाई (वेब वार्ता)। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में केरल के रामनाथुकारा नगर पालिका के 31 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात का उद्देश्य एमसीडी द्वारा अपनाई गई ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी प्राप्त करना था।

बैठक के दौरान महापौर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम की नागरिक सेवाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विशेष रूप से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी रणनीतियों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दिल्ली जैसे विशाल और सघन आबादी वाले नगर क्षेत्र में एमसीडी नवाचार, कार्यकुशलता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से श्रेष्ठ नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एमसीडी अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को निगम की व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन रणनीति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 11,500 मीट्रिक टन कचरा उत्पन्न होता है। जिसमें से लगभग 8,000 मीट्रिक टन का निपटान अपशिष्ट-से-ऊर्जा, कम्पोस्टिंग तथा अन्य वैज्ञानिक विधियों से किया जाता है। शेष 3,500 मीट्रिक टन के निपटान हेतु निगम द्वारा नई, तेज और टिकाऊ तकनीकों को अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल को कचरा उत्पत्ति से लेकर उसके प्राथमिक एवं द्वितीयक पृथक्करण, परिवहन और अंतिम निपटान की प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने ओखला वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का दौरा कर निगम की अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। रामनाथुकारा नगर पालिका के प्रतिनिधिमंडल ने एमसीडी द्वारा साझा की गई विस्तृत जानकारी की सराहना की और कहा कि वे इन सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनी नगर पालिका में अपनाकर शहरी शासन को सुदृढ़ बनाने और सेवा वितरण को बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में रामनाथुकारा नगर पालिका की अध्यक्ष पुष्पा व पार्षदगण और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। जिन्होंने दिल्ली के महापौर और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। नेता सदन प्रवेश वही भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

एमसीडी दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाएगी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने सोमवार को ग्रीन एक्शन प्लान के तहत पौधारोपण अभियान की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और हरित राजधानी के संकल्प के साथ इस साल दिल्ली में 7 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने एक बयान में बताया कि ग्रीन एक्शन प्लान के तहत वर्ष भर में कुल 7,03,298 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें 3 लाख पेड़, 4 लाख झाड़ियां और 3,298 बांस के पौधे शामिल हैं। इस अभियान को मानसून सीजन में गति दी गई है। उन्होंने बताया की अब तक दिल्ली के विभिन्न 12 जोनों में 66,242 पौधे रोपे जा चुके हैं। जिनमें 21,493 पेड़, 41,918 झाड़ियां और 2,831 बांस के पौधे हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि नगर निगम के उद्यान विभाग ने बारिश के मौसम में अभियान को युद्ध स्तर पर शुरू किया है। यह अभियान दिल्ली की हवा को साफ करने, तापमान में कमी लाने और जैव विविधता को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने की 'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ, कहा- सभी बच्चे जरूर देखें फिल्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित पीवीआर में रविवार शाम बॉलीवुड फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। इसका हिस्सा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बनीं। फिल्म की अभिनेत्री शुभांगी दत्त और एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर भी शामिल हुए। सीएम रेखा गुप्ता ने फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' की तारीफ की और कहा कि दुनिया भर के हर बच्चे को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए।

फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को देखने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मैं अनुपम खेर को बधाई देती हूं, जिन्होंने इस फिल्म में स्पेशल बच्चों की सुनहरी उड़ान को दिखाया है। इस फिल्म का हर एक पल इतना मार्मिक था कि मैं उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। इसका विषय अपने आप में इतना सशक्त और सुंदर है कि देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के हर बच्चे को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। मैं भी चाहूंगी कि दिल्ली सरकार की तरफ से ज्यादा से ज्यादा बच्चों को ये फिल्म दिखाएं। मैं इस फिल्म के लिए अनुपम खेर और उनकी पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।'

फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के डायरेक्टर और एक्टर अनुपम खेर ने कहा, 'एक फिल्म को बनाने में चार साल लगते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को फिल्म पसंद आई और उन्होंने इसकी तारीफ की। मुझे लगता है कि इस तरह की फिल्मों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना चाहिए। ये फिल्म एक बच्ची की कहानी है, जिसे हमने सुपर हीरो बनाया है।'

इसके अलावा, एक्ट्रेस शुभांगी दत्त ने 'तन्वी द ग्रेट' पर बात करते हुए कहा, 'यह पूरा अनुभव बहुत भावुक करने वाला रहा। लोग फिल्म की तारीफ कर रहे हैं और इसे प्यार दे रहे हैं, इसलिए यह बहुत ही भावुक और अभिभूत करने वाला अहसास है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और राष्ट्रपति मुर्मू ने फिल्म को सराहा है।'

बता दें कि 'तन्वी द ग्रेट' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 21 वर्षीय 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर' से जूझ रही लड़की तन्वी रैना पर आधारित है, जो अपनी मां विद्या और दादा कर्नल प्रताप रैना के साथ रहती है। फिल्म में अनुपम खेर कर्नल प्रताप रैना का किरदार निभा रहे हैं। एक्ट्रेस शुभांगी दत्त फिल्म में तन्वी का रोल कर रही हैं। इनके अलावा, फिल्म में जैकी श्रॉफ, पल्लवी जोशी और बोमन ईरानी जैसे सितारे भी हैं।

दंपति के बातचीत की गुप्तन रिकॉर्डिंग अब होगी सबूत : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि पति-पत्नी की गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत वैवाहिक विवाद के मामले में साक्ष्य के रूप में स्वीकार्य है और इससे किसी तरह की निजता के अधिकार हनन नहीं हुआ है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अपने फैसले कहा कि यदि शादी उस मुकाम पर पहुंच गई है, जहां पति-पत्नी एक-दूसरे पर सक्रिय रूप से नजर रख रहे हैं, तो यह अपने आप में टूटे हुए रिश्ते का लक्षण है और उनके बीच विश्वास की कमी को दर्शाता है। पीठ ने कहा कि ऐसे में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई बातचीत, वास्तव में, वैवाहिक विवादों में स्वीकार्य साक्ष्य हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी तथ्यों पर गौर करने के बाद हम मानते हैं कि मौजूदा मामले में निजता के अधिकार का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है क्योंकि साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 ऐसे किसी अधिकार को मान्यता नहीं देती है। पीठ ने कहा कि इसके विपरीत, यह प्रावधान पति-पत्नी के बीच निजता के अधिकार के लिए एक अपवाद है। फैसले में यह स्पष्ट किया कि यह धारा संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत निजता के अधिकार से संबंधित नहीं है, ऐसे अधिकार का अतिक्रमण तो दूर की बात है।

हाईकोर्ट का फैसला खारिज सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसला खारिज करते हुए कहा कि हमें नहीं लगता कि इस मामले में निजता का कोई उल्लंघन हुआ है। वास्तव में, साक्ष्य अधिनियम की धारा-122 ऐसे किसी अधिकार को मान्यता नहीं देती।

दूसरी ओर, यह पति-पत्नी के बीच निजता के अधिकार के लिए एक अपवाद प्रदान करती है और इसलिए इसे क्षैतिज रूप से लागू नहीं किया जा सकता। धारा-122 के अधिकार पीठ ने कहा कि धारा-122 निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार, प्रासंगिक साक्ष्य प्रस्तुत करने के अधिकार और वांछित राहत प्राप्त करने के लिए पति या पत्नी के विरुद्ध अपना मामला साबित करने के अधिकार को मान्यता देती है। शीर्ष कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज किया सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इन दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द खतरे में पड़ जाएगा और पति-पत्नी के बीच जासूसी को बढ़ावा मिलेगा। पीठ ने कहा है कि इस तरह की दलील मान्य नहीं हो सकती है।

यह है मामला - पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने तलाक के मामले में पति द्वारा पत्नी की टेलीफोन पर बातचीत को रिकार्ड किए जाने को साक्ष्य मानने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह निजता के मौलिक अधिकार का हनन है। पंजाब की परिवार अदालत ने क्रूरता के आरोपों को साबित करने के लिए पति को अपनी पत्नी के साथ रिकॉर्ड की गई फोन बातचीत वाली एक कॉम्पैक्ट डिस्क पर भरोसा करने की अनुमति दी थी। हालांकि पत्नी की याचिका पर हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के फैसले को रद्द कर दिया था। पत्नी ने कहा था कि पति ने कॉल की रिकॉर्डिंग उसकी सहमति के बगैर की थी, इसलिए यह उसकी निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा।

दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार सात अधूरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोमवार को उत्तरी दिल्ली स्थित मॉडल टाउन क्षेत्र में नवनिर्मित यथार्थ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ही नहीं कर रही, बल्कि उसे सुलभ, पारदर्शी और जन-संवेदनशील भी बना रही है। सरकार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर राजधानी को एक मॉडल हेल्थकेयर सिस्टम की ओर ले जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्लीवासियों को तो बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले, साथ ही देश की राजधानी को हम ऐसे मेडिकल हब में बदले, जहां देश-विदेश से लोग इलाज कराने आएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी आवश्यकता को देखते हुए दिल्ली सरकार सात अधूरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी। हर अस्पताल को अलग बीमारी के इलाज के लिए समर्पित किया जाएगा, जैसे कैंसर, ट्रांसप्लांट या डिलीवरी के जटिल मामले। इसके साथ ही आईसीयू बेड्स की कमी को भी दूर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकारों के भ्रष्टाचार व विजन की कमी की वजह से दिल्ली का स्वास्थ्य ढांचा अभी भी अनेक गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कोविड काल को याद करते हुए बताया कि उस समय अस्पतालों में बिस्तरों की भारी कमी थी और कई लोगों को इलाज न मिलने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर स्थिति में रही। उस समय प्रति 1,000 नागरिकों पर केवल 0.42 अस्पताल बेड उपलब्ध थे। 38 सरकारी अस्पतालों में केवल छह एमआरआई और 12 सीटी स्कैन मशीनें थीं, जो किसी भी महानगर के लिए बेहद चिंता की बात है। डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, दवाओं और आधुनिक उपकरणों की भारी कमी थी। अब इस कमी को दूर करने और अस्पतालों को अति आधुनिक बनाने के गंभीर प्रयास चल रहे हैं। दिल्ली के लोगों को चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवनिर्मित अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों और बहुविशेषज्ञ सेवाओं से सुसज्जित है, जो दिल्ली सरकार की स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली% नीति को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भी सेवाएं देगा, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क मिल सकेंगी।

मायावती ने नीतीश की घोषणाओं को अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी बताया

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार में चुनावी साल में हालिया रोजगार संबंधी घोषणाओं को लेकर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने इन घोषणाओं को जुमलेबाजी और चुनावी छलावा करार दिया है। मायावती ने पोस्ट कर कहा कि नीतीश द्वारा चुनाव के बाद सरकार बनने पर अगले पांच साल में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने की घोषणा बिहार की बिगड़ती कानून-व्यवस्था से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए की गई एक कोशिश मात्र है। उन्होंने नीतिश की घोषणा को अच्छे दिन जैसी जुमलेबाजी बताया, जो लोगों को हकीकत से दूर करती है। मायावती ने कहा कि जनता विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के चुनावी वादों, दावों और घोषणाओं से भलीभांति परिचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोधी पार्टियां चुनाव से पहले इसतरह के लोक लुभावने वादे करने में बिल्कुल नहीं हिचकिचातीं। उनके अनुसार, बिहार की वर्तमान गठबंधन सरकार का नौकरी और रोजगार का वादा उनके अन्य वादों से मेल खाता है, जिसे जनता अपने अनुभवों के आधार पर जानती है। मायावती ने उम्मीद जाहिर की बिहार की जनता सोच-समझकर गरीब और सर्वजन हितैषी सरकार चुनेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि चुनाव बाहुबल, धनबल और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से मुक्त होकर पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। उन्होंने कहा कि सभी गरीबों, मजदूरों और अन्य मेहनतकश लोगों को सही से वोट डालने का मौका मिलना चाहिए।

प्लास्टिक के जहरीले रसायन से भारत में सबसे ज्यादा मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्लास्टिक में पाया जाने वाला एक खतरनाक रसायन डाय-2 एथाइलहेक्सिल थैलेट (डीईएचपी) दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बन रहा है। चिंता की बात यह है कि इस रसायन से संबंधित सबसे ज्यादा मौतें भारत में हो रही हैं। प्लास्टिक के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर एक नया अध्ययन बेहद चौंकाने वाले तथ्य सामने लाया है। अमेरिका की न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन हेल्थ द्वारा किए गए इस अध्ययन में बताया गया है कि सिर्फ वर्ष 2018 में ही डीईएचपी के संपर्क से करीब 3.5 लाख लोगों की जान हृदय संबंधी बीमारियों के कारण गई। इनमें 1,03,587 मौतें अकेले भारत में हुईं, जो चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों से भी ज्यादा हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि भारत प्लास्टिक से उत्पन्न स्वास्थ्य संकट की गंभीर चपेट में है। डीईएचपी का उपयोग आमतौर पर प्लास्टिक को लचीला और टिकाऊ बनाने के लिए किया जाता है। यह रसायन खासकर फूड पैकेजिंग, मेडिकल ट्यूब, ब्लड बैग्स, बोतलें और घरेलू प्लास्टिक कंटेनरों में पाया जाता है। जब ये वस्तुएं गर्म होती हैं या टूटती हैं, तो इनमें से सूक्ष्म प्लास्टिक कण डीईएचपी के साथ निकलकर शरीर में पहुंच जाते हैं। इससे दिल की धमनियों में सूजन, ब्लॉकेज, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, और साथ ही मोटापा, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन के प्रमुख लेखक डॉ. लियोनार्डो ट्रासांडे के अनुसार, डीईएचपी अकेला कारण नहीं है लेकिन इसका असर अन्य रसायनों के मुकाबले कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह विश्लेषण 55 से 64 वर्ष की उम्र के लोगों के स्वास्थ्य डाटा पर आधारित है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि असल मृत्यु संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि डीईएचपी से होने वाली मौतों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को साल 2018 में ही 510 अरब से लेकर 3.74 लाख करोड़ डॉलर तक का नुकसान हुआ। भारत, चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों में प्लास्टिक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके सुरक्षित प्रयोग और जागरूकता की भारी कमी है।

दिल्ली में लापता हुई छात्रा स्नेहा की लाश मिली, त्रिपुरा सीएम ने कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई दिनों से त्रिपुरा की छात्रा स्नेहा देबनाथ लापता थी ।बीते रोज कथित डेड बॉडी गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से बरामद कर ली गई है। स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा थी। उसकी एक करीबी मित्र ने उसके बारे में कई खुलासे किए हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 7 जुलाई को पर्यावरण कॉम्प्लेक्स से स्नेहा के लापता होने की सूचना मिली थी। परिजनों की ओर से सौंपे गए एक नोट में उसके सिग्नेचर ब्रिज से कूदने के इरादे का संकेत मिला था। पुलिस ने बताया कि 19 साल की स्नेहा के परिजनों में महरौली थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दी थी। परिजनों ने अपनी शिकायत में बताया कि स्नेहा दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। 7 जुलाई को उसने आखिरी बार अपने परिवार से संपर्क किया था। वहीं दूसरी तरफ त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने भी मामले में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपने एक पोस्ट में कहा कि सबरूम की रहने वाली स्नेहा देबनाथ जो नई दिल्ली में लापता हो गई हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के संज्ञान में मामला आते ही उसकी ओर से दिल्ली पुलिस को तत्काल और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। दिल्ली पुलिस की मानें तो कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने जांच टीम को बताया कि उन्होंने एक लड़की को ब्रिज पर खड़ा देखा था। फिर इसके बाद एनडीआरएफ की मदद ली गई। एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर निगम बोध घाट से नोएडा तक तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास से उसकी कथित डेड बॉडी बरामद कर ली गई। इन शुरुआती जानकारी के आधार पर दिल्ली पुलिस ने स्नेहा की खोजबीन शुरू कर दी थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान एक कैब ड्राइवर ने स्नेहा को सिग्नेचर ब्रिज पर छोड़ने की बात बताई। फिर तकनीकी निगरानी से स्नेहा की आखिरी लोकेशन सिग्नेचर ब्रिज पर पाई गई। दिल्ली पुलिस ने यह भी बताया कि स्नेहा के करीबी दोस्तों ने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से परेशान थी। यही नहीं स्नेहा ने उसी सुबह एक ई-मेल और व्हाट्सएप संदेश भेजा था। पुलिस ने बताया कि वह मामले की छानबीन कर रही है।

पंजाब में पंचायत का फरमान... अवैध तौर पर रह रहे अप्रवासी एक सप्ताह में गांव छोड़ें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अंदर हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें बीते कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी इसतरह से खबरें आ रही है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान आया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रहने वाले प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने का फरमान दिया है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में बताया गया हैं कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें से तमाम इसतरह के लोग हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स की लत है और उसके प्रभाव में आकर ये लोग चोरियां तक कर रहे हैं। ड्रग तस्करी से भी इंकार नहीं कर सकते है। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लगी है। ऐसी स्थिति में हम गांव वालों ने प्रस्ताव पारित किया है कि ये लोग निकल ही जाएं।

सरपंच बिंडा ने कहा कि उन लोगों को ही यहां रुकने दिया जाएगा, जिनके पास आधार कार्ड हैं या फिर अन्य दस्तावेज हैं। बिना आईडी प्रूफ वाले लोगों को यहां रुकने की परमिशन नहीं होगी। ऐसा इसलिए ताकि कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या यदि खड़ी होती है, तब उसके बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। इस मामले में कुछ संगठनों ने दखल देने की कोशिश की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इस बात की गारंटी कौन लेगा कि बिना किसी आईडी प्रूफ के यहां रहने वाले लोग कोई समस्या पैदा नहीं करेगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान के बैनर पर पोती कालिख, सपा के तीन नेता गिरफ्तार

-स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ हुआ विरोध प्रदर्शन और थाने का घेराव

प्रयागराज (एजेंसी)। शिक्षा मंत्रालय की स्कूल मर्जर नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पोस्टर और बैनर पर कालिख पोतने के मामले में प्रयागराज पुलिस ने तीन समाजवादी पार्टी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे पर प्रदर्शन के दौरान सपा छात्र सभा से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बैनर पर कालिख पोती और शिक्षा बनाम मधुशाला जैसे नारों के साथ प्रदर्शन किया। इस घटना को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तीन टीमों का गठन कर छापेमारी की और छात्र सभा के जिलाध्यक्ष शिवा केसरवानी, उपाध्यक्ष शिवा बागी, तथा सद्दाम अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकारी बैनर को नुकसान पहुंचाने, शांति भंग करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज किया है। यहां गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही सपा के वरिष्ठ नेता सिविल लाइंस थाने पहुंचे और गिरफ्तारी का विरोध किया। महानगर अध्यक्ष सैय्यद इफ्तेखार हुसैन और महासचिव रविंद्र यादव रवि की अगुवाई में बैठक कर इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया गया। प्रदर्शन के पीछे छात्रों और समाजवादी पार्टी की मांग है कि स्कूलों के विलय से गांवों और छोटे इलाकों में शिक्षा व्यवस्था प्रभावित होगी। अब इस मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है।

छांगुर बाबा का कुबूलनामा: अंतरराष्ट्रीय गिरोह के नेटवर्क की कमान संभालती थी नसरीन

नई दिल्ली(एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण के मामले में धरे गए छांगुर बाबा ने अपनी करतूतों को कबूल लिया है। उन्होंने कबूला है कि दुबई और नेपाल में उसके गिरोह का सबसे ज्यादा नेटवर्क है। यहां की कमान नीतू उर्फ नसरीन ही संभाल रही थी। यहां से आने वाली रकम व संस्थाओं को सहयोग के लिए मददगार नीतू से ही सम्पर्क करते थे। रिमाण्ड अवधि के चौथे दिन एटीएस अफसरों से ऐसा ही छांगुर बाबा ने कहा। रविवार को भी सबसे ज्यादा सवाल विदेशी फंडिंग को लेकर हुए।

एटीएस ने जब पूछा कि दोनों व गिरोह के अन्य सदस्यों के कितने खाते कहां-कहां खुले हुए हैं। इस पर दोनों के विरोधाभासी जवाब थे। छांगुर ने कहा कि उसे सिर्फ अपने खाते के बारे में पता है। वहीं नीतू ने कहा कि छांगुर ही सारे खाते का हिसाब रखता था। वह अपने नाम से खुले आठ खातों के बारे में ही जानती है। उसके इन खातों में तीन अलग-अलग संस्थाओं के नाम से हैं। एटीएस ने धर्मांतरण से जुड़े कई सवाल किए। बताया जाता है कि एटीएस इन दोनों को आजमगढ़ व श्रावस्ती भी ले जा सकती है। एटीएस सूत्रों के मुताबिक

जैसे ही उससे धर्मांतरण के बारे में पूछा जाता है, वह एक ही रट लगाता है कि उसने एक भी अवैध धर्मांतरण नहीं कराया। सबने अपनी मर्जी से ही इस्लाम धर्म कुबूल किया। सालाना उर्स की बात पर उसने कहा कि सब कुछ सबके सामने होता था। दरगाह के पास सालाना उर्स में हर धर्म के लोग आते थे। जब उससे रुपये देकर इस्लाम धर्म कुबूलवाने की बात कही तो वह गोलमोल जवाब देने लगा। उसके सामने ही नीतू से पूछा गया कि रकम कहां-कहां खर्च करती थी। इस पर उसने छांगुर बाबा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ये ही तय करते थे कितनी रकम कहां खर्च की जानी थी। एटीएस रिमाण्ड पर पूछताछ के दौरान दोनों के गोलमोल जवाब देने पर वह सख्त भी हुई।

मजिस्द की चारदीवारी फांदकर नमाज पढ़ने पहुंचे उमर, नजर बंद करने का आरोप लगाया

-शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने से रोका गया

हरिद्वार (एजेंसी)। श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा रोकने के बाद मजार-ए-शोहदा की चारदीवारी फांदकर नमाज़ पढ़ी। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने मज़ार-ए-शोहदा आने से पहले किसी को सूचित नहीं किया था, क्योंकि उन्हें 13 जुलाई शहीद दिवस पर नज़रबंद किया गया था। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें सुरक्षा बलों के द्वारा रोकने की कोशिश की गई। इस मौके पर अब्दुल्ला के फारुक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें उमर दीवार फांदकर अंदर जा रहे हैं। 13 जुलाई, 1931 को जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह डोगरा राजशाही के खिलाफ विद्रोह में मारे गए 22 नागरिकों की हत्या की याद में मनाया गया था।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी बताते हैं। उनके आदेश पर हमें कल फ़ातिहा पढ़ने की इजाज़त नहीं दी गई। सुबह से ही सभी को

नज़रबंद किया गया था। जब मैंने कंट्रोल रूम को बताया कि मैं यहां फ़ातिहा पढ़ने आना चाहता हूं। तब कुछ ही मिनटों में मेरे घर के बाहर बंकर लगा दिए गए। और वे रात के 12-1 बजे तक वहां रहे। आज मैं बिना किसी को बताए यहां आया था। आज भी उन्होंने हमें रोकने की कोशिश की। मैं जानना चाहता हूँ कि किस क़ानून के तहत मुझे रोका गया।

अब्दुल्ला ने कहा कि वे कहते हैं कि यह एक आज़ाद देश है, लेकिन वे सोचते हैं कि हम उनके गुलाम हैं। हम किसी के गुलाम नहीं हैं। हम सिर्फ़ यहां के लोगों के गुलाम हैं। हमने उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने हमारा झंडा फाड़ने की कोशिश की। लेकिन हम यहां आए और फ़ातिहा पढ़ा। वे भूल जाते हैं कि ये कब्रें हमेशा यहीं रहेंगी।

अन्य नेताओं के दावे और प्रतिक्रियाएँ

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी आरोप लगाया कि कश्मीर में उनके आधिकारिक आवास पर अधिकारियों ने ताला लगा दिया था। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया और जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उनकी पार्टी के नेताओं को पुलिस थानों में नज़रबंद कर दिया गया, जबकि अन्य को उनके घरों में बंद कर दिया गया। उन्होंने इन कार्रवाइयों को दमनकारी बताया और इनकी तुलना 13 जुलाई के शहीदों द्वारा लड़ी गई लड़ाई से की।

पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने भी दावा किया कि उन्हें अपने घर से बाहर निकलने से रोका गया और उन्होंने 13 जुलाई को दिए गए बलिदान को कश्मीरियों के लिए पवित्र बताया।

अहमदाबाद विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से पायलट एसोसिएशन नाराज... जांच में शामिल होने की बात कही

-जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इल्जाम लगाना सही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर आई विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुवाती रिपोर्ट चर्चा में है। रिपोर्ट में विमान हादसे के पीछे फ्यूट कटऑफ का अंदेशा जाहिर किया गया है, इसपर पायलट यूनियन का गुस्सा भड़क गया है। एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश की जांच में शामिल करने की मांग की है।

भारतीय वाणिज्यिक पायलट संघ (आईसीपीए) ने पायलट के द्वारा विमान का फ्यूल कटऑफ करने वाली थ्यौरी की कड़ी निंदा की है। आईसीपीए का कहना है कि जांच पूरी हुए बिना पायलट पर इस तरह से इल्जाम लगाना सही नहीं है। पायलट की आत्महत्या का आरोप पूरी तरह से निराधार है।

आईसीपीए के अनुसार, विमान हादसे के बाद मीडिया और लोगों के बीच जिस तरह की

बातें चल रही हैं, उससे हम बेहद दुखी हैं। पायलट के द्वारा आत्महत्या का यह आरोप बकवास और निराधार है। इस तरह के दावों का कोई आधार नहीं है। प्रारंभिक जांच और अधूरे आंकड़ों के आधार पर इसतरह के इल्जाम लगाना न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना हरकत है बल्कि उनके परिवार के प्रति भी असंवेदनशीलता को दिखाते हैं।

वहीं एअरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलएपीए) ने प्लेन क्रैश जांच में शामिल होने की मांग की है। एलएपीए 800 एअरलाइंस और हेलीकॉप्टर कंपनियों का प्रतिनिधित्व करती है। साथ ही संस्था इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एअरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (आईएफएएलपीए) से जुड़ी है। वहीं, दुनिया के 100 देशों के 1 लाख पायलट आईएफएएलपीए के सदस्य हैं।

एलएपीए-इंडिया के अध्यक्ष सैम थॉमस ने बताया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट वेबसाइट पर डाल दी गई। उस पर किसी के हस्ताक्षर नहीं थे। हम पारदर्शिता चाहते हैं। हम चाहते हैं कि जांच टीम में हमारे प्रतिनिधि को भी शामिल किया जाए।

थॉमन के अनुसार, जांच की गोपनीयता से हम हैरान हैं। हमें लगता है कि जांच में पायलट्स को प्लेन क्रैश के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हम इसके सख्त खिलाफ हैं।

समाज में कुछ ऐसे लोग हों जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें

गडकरी ने कहा-अदालती आदेश से ऐसे काम हो सकते हैं जो सरकार नहीं कर सकती

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोक प्रशासन में अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार के खिलाफ अदालती मामले दायर करने की जरुरत पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग होने चाहिए जो सरकार के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करें। इससे राजनेताओं में अनुशासन आता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सरकार के मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते जो अदालती आदेश से हो सकता है। लोकप्रिय राजनीति राजनेताओं और मंत्रियों के आड़े आती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नागपुर में प्रकाश देशपांडे स्मृति कुशल संगठक पुरस्कार समारोह में बोलते हुए गडकरी ने कहा कि अदालती आदेश से ऐसे काम हो

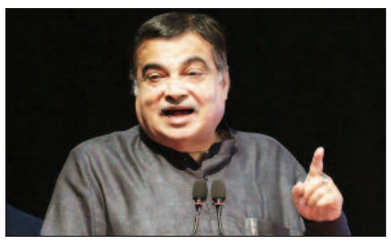

सकते हैं जो सरकार भी नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में कुशल संगठक के रूप में सम्मानित किए गए लोगों ने सरकार के खिलाफ ऐसी कई कानूनी लड़ाइयाँ लड़ीं। गडकरी ने कहा कि कुशल संगठकों ने शिक्षा क्षेत्र में गलत सरकारी फैसलों के खिलाफ कई मामले दायर किए और कई मौकों पर सरकार को अपने फैसले वापस लेने के लिए मजबूर भी किया।

इससे पहले गडकरी ने रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्धों का हवाला देते हुए कहा कि महाशक्तियों की तानाशाही और निरंकुशता के कारण समन्वय, आपसी सद्भाव और प्रेम खत्म हो रहा है और दुनिया भर में संघर्ष का माहौल है। भारत को दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश देने वाली बुद्ध की भूमि बताते हुए गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद भविष्य की नीति निर्धारित करने की जरुरत पर जोर दिया। ये संघर्ष ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां विश्व युद्ध 'कभी भी' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध से संबंधित तकनीकी प्रगति भी मानवता की रक्षा करना कठिन बना रही है।

अब ट्रेनों में लगाए जाएंगे कैमरे, चोर और बदमाशों पर रखी जाएगी नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब इंडियन रेलवे सिक्योरिटी को और पुख्ता करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। इससे यात्रियों की सुरक्षा को और चुस्त-दुरुस्त किया जाएगा। ट्रायल के पॉजिटिव रिजल्ट आने के बाद अब रेलवे ने सभी यात्री कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया है। इस पहल से ट्रेनों में होने वाले अपराधों पर अंकुश लगेगा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

हर कोच में चार डोम-टाइप सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, दो-दो कैमरे दोनों दरवाजों के पास। वहीं, प्रत्येक इंजन में कुल छह कैमरे होंगे, आगे, पीछे और दोनों ओर एक-एक। इसके अलावा फ्रंट और रियर कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सभी कैमरे नवीनतम तकनीक से लैस होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। रेल मंत्री ने निर्देश दिए कि ऐसे कैमरे लगाए जाएं, जो 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की रफ्तार से चल रही ट्रेनों में भी स्पष्ट रिकॉर्डिंग कर सकें। साथ ही कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन करें।

रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कैमरे यात्रियों की प्राइवेसी को ध्यान में रखते हुए कोच के सामान्य आवागमन क्षेत्र, जैसे दरवाजों के पास लगाए जाएंगे। यह कदम उन असामाजिक तत्वों और संगठित गिरोहों पर लगाम कसने में मददगार होगा, जो भोले-भाले यात्रियों को निशाना बनाते हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक उच्चस्तरीय बैठक में इस योजना की समीक्षा की। बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इसमें बताया गया कि उत्तरी रेलवे में किए गए सफल परीक्षणों के बाद अब देशभर के सभी कोचों और इंजनों में कैमरे लगाए जाएंगे। रेल मंत्री अधिकारियों को इंडिया एआई मिशन के सहयोग से इन कैमरों द्वारा कैप्चर किए गए डेटा पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग की संभावनाएं तलाशने को भी कहा। रेलवे मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि यात्रियों की निजता से कोई समझौता न हो। कैमरे केवल सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में लगाए जाएंगे, जिससे सुरक्षा तो सुनिश्चित होगी ही। साथ ही किसी की गोपनीयता भी प्रभावित नहीं होगी। यह

पहल भारतीय रेलवे की यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक और सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। आने वाले समय में यह तकनीक रेल यात्रा को पहले से ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद बनाएगी।

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मजा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

तन्वी द ग्रेट देखकर इमोशनल हुए अक्षय कुमार

एक्टर-डायरेक्टर अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' थिएटर में रिलीज को तैयार है। अक्षय कुमार ने बुधवार को फिल्म देखी और अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर शेयर किया। फिल्म देखने के बाद इमोशनल हुए एक्टर ने कहा कि कहानी शानदार है और इसने रुलाकर रख दिया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर लिखा कि यह फिल्म उनके दिल को छू गई। उन्होंने फिल्म को भावनात्मक और प्रेरणादायक बताया।

फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए अक्षय ने अनुपम और उनकी टीम की तारीफ की। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, तन्वी देखने में थोड़ी देर हुई, लेकिन खुशी है कि मैंने यह फिल्म देखी। तन्वी द ग्रेट एक ऐसी कहानी है, जिसने मुझे भावुक कर दिया और मैं तन्वी के लिए दिल से प्रार्थना करता हूं। मेरे दोस्त अनुपम खेर और पूरी टीम को ढेर सारी शुभकामनाएं। बड़े पर्दे पर इसे देखने का इंतजार है। इससे पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, कंगना रनौत और अनिल कपूर जैसे सितारों ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फिल्म की प्रशंसा की थी। शाहरुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर लिखा, मेरे दोस्त अनुपम खेर, रिस्क लेने से पीछे नहीं हटते। तन्वी द ग्रेट का ट्रेलर शानदार है। इस सफर के लिए शुभकामनाएं। 'तन्वी द ग्रेट' अनुपम खेर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म के साथ लीड एक्ट्रेस शुभांगी एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में एक्टर जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, बोमन ईरानी, पल्लवी जोशी, करण टैकर और नासिर जैसे एक्टर्स महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। अनुपम खेर भी फिल्म में स्पेशल रोल में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर तले बनी यह फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो ऑटिज्म से जूझते हुए भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखती है।

लगातार तीन फ्लॉप, अब 'मालिक' से हैं उम्मीदें; क्या बच पाएगा मानुषी का करियर

राजकुमार राव की फिल्म 'मालिक' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर माहौल तो काफी बना था, लेकिन पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर वैसा कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई। क्रिटिक्स ने भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही दी। फिल्म में पहली बार राजकुमार राव एक अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। वो फिल्म में एक गैंगस्टर का रोल निभा रहे हैं। ये फिल्म राजकुमार राव के लिए तो अहम है ही, लेकिन उनसे भी ज्यादा इस फिल्म की सफलता अभिनेत्री मानुषी छिल्लर के लिए जरूरी है। क्योंकि ये मानुषी छिल्लर की चौथी फिल्म है और अभिनेत्री को अभी भी अपने करियर की पहली हिट फिल्म की जरूरत है।

साल 2022 में मानुषी छिल्लर ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया। मानुषी ने अपने डेब्यू के लिए एक दम परफेक्ट फिल्म और बैनर चुना था। उनकी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी और मानुषी का एक सफल डेब्यू का सपना अधूरा रह गया। इसके बाद मानुषी छिल्लर विक्की कौशल के साथ फिल्म 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में नजर आईं। यह फिल्म भी यशराज के बैनर तले ही बनी थी। यह फिल्म कब आई और कब चली गई किसी को पता भी नहीं चला। दो बैक टू बैक फ्लॉप के बाद मानुषी के हाथ एक बार फिर से बड़े बजट की फिल्म लगी। इस बार फिर उनके साथ फिल्म में अक्षय कुमार थे। इस बार साथ में एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ भी थे और एक बड़ी स्टारकास्ट थी। इस फिल्म को लेकर काफी बज क्रिएट किया गया था। लेकिन जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आई तो धड़ाम हो गई। इस तरह से मानुषी छिल्लर के खाते में लगातार तीसरी बड़ी फ्लॉप आई।

'मालिक' बचा पाएगी मानुषी का डूबता करियर?

लगातार तीन बड़े बजट और प्रोडक्शन हाउस की फिल्में, जिनमें स्टार्स भी बड़े-बड़े थे। वो मिलने के बाद भी मानुषी छिल्लर को एक हिट अभी तक नहीं मिली है। यही कारण है कि डेब्यू को तीन साल हो गए हैं और मानुषी की सिर्फ तीन ही फिल्में आई हैं। तीनों ही बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। ऐसे में अब मानुषी के करियर के लिए राजकुमार राव की 'मालिक' का चलना बहुत जरूरी है। हालांकि, मालिक में मानुषी का किरदार छोटा है और स्क्रीन स्पेस भी इसी वजह से कम है। लेकिन वो कहते हैं न कि डूबते को एक तिनके का सहारा होता है। ऐसे में मानुषी के लिए मालिक का सफल होना ही जरूरी है, भले ही उसमें रोल उनका कितना भी हो। हालांकि, पहले दिन की कमाई को देखते हुए 'मालिक' के भी बड़ी हिट बनने की उम्मीद कम ही है।

श्री श्री रविशंकर की बायोपिक के लिए खास तैयारी कर रहे विक्रांत

अभिनेता विक्रांत मैसी जल्द ही आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'व्हाइट' में नजर आने वाले हैं। इसी बीच इस फिल्म से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां अमर उजाला के हाथ लगी हैं। जानते हैं क्या हैं वो नई जानकारियां।

कोलंबिया में होगी अधिकांश शूटिंग

आज ही रिलीज हुई अपनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के बाद अब विक्रांत मैसी अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग में व्यस्त हो गए हैं। ये फिल्म आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में की जाएगी।

कोलंबिया पर ही आधारित होगी कहानी

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, 'यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है जब श्री श्री रविशंकर ने कोलंबिया में चल रहे 52 साल पुराने संघर्ष को शांति से खत्म करने में मदद की थी। चूंकि ये सभी घटनाएं कोलंबिया की धरती पर घटी थीं, इसलिए उनकी सच्चाई को बनाए रखने के लिए ज्यादातर शूटिंग वहीं होगी।'

किरदार में ढलने के लिए विक्रांत ने कैसे की तैयारी

विक्रांत ने इस किरदार की तैयारी के लिए हाल ही में बेंगलुरु स्थित 'आर्ट ऑफ लिविंग' आश्रम का दौरा किया था। यहां उन्होंने श्री श्री रविशंकर द्वारा शुरू किया गया 'हैप्पीनेस प्रोग्राम' भी अटैंड किया। विक्रांत ने वहां ध्यान, प्राणायाम और साधना के जरिए श्री श्री रविशंकर की एनर्जी और विचारधारा को महसूस करने की कोशिश की, ताकि फिल्म में उनकी मौजूदगी सिर्फ दिखावटी न लगे।

कुछ यूं किरदार की तैयारी कर रहे विक्रांत

फिल्म में श्री श्री की भूमिका निभाने के लिए विक्रांत ने अपने बाल और दाढ़ी बढ़ाई है। इसके साथ ही विक्रांत, श्री श्री रविशंकर के बोलने के ढंग, मुस्कान, चलने और बैठने के तरीके को भी बारीकी से आत्मसात कर रहे हैं। एक्टर लगातार श्री श्री रविशंकर के वीडियो, भाषण और इंटरव्यू देख रहे हैं। इसके जरिए वे श्री श्री के व्यवहार और शारीरिक भाषा को भी बारीकी से समझने की कोशिश कर रहे हैं।

अगस्त में कोलंबिया रवाना होंगे विक्रांत

विक्रांत पिछले कुछ दिनों से अपनी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के प्रमोशन में जुटे हुए थे। अब वे कुछ समय अपने परिवार (पत्नी शीतल और बेटे वर्दान) के साथ बिताएंगे। इसके बाद अगस्त 2025 में वे इस फिल्म की शूटिंग के लिए कोलंबिया रवाना होंगे।

नए अंदाज में रिलीज होगी बाहुबली, एसएस राजामौली ने की घोषणा

साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बाहुबली द बिगनिंग को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। प्रभास स्टारर इस फिल्म को 10 जुलाई 2015 को रिलीज किया गया था। फिल्म ने वर्ल्डवाइड शानदार कमाई की थी और सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में अपना नाम दर्ज कराया। आज जब फिल्म को 10 साल पूरे हो गए हैं तो मेकर्स ने ऑडियंस को एक और तोहफा देने का ऐलान कर दिया है। दरअसल बाहुबली फिल्म के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात का ऐलान किया गया है कि बाहुबली के पहले और दूसरे पार्ट को एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। बाहुबली मूवी ने लिखा है- 10 साल पहले, एक सवाल ने पूरे देश को एकजुट कर दिया था...अब वही सवाल और उसका जवाब लौट रहे हैं — एक भव्य महाकाव्य में साथ-साथ। बाहुबली द एपिक पूरी दुनिया में 31 अक्टूबर 2025 को रिलीज हो रही है। बाहुबली - द एपिक' दरअसल पहली और दूसरी फिल्म को मिलाकर दिखाए जाने वाला एक वर्जन होगा। इस फिल्म के जरिए मेकर्स एक बार फिर बाहुबली की यादों को पर्दे पर ताजा करना चाहते हैं। फिल्म के डायरेक्टर एस एस राजामौली ने इस मौके पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, बाहुबली... कई यात्राओं की शुरुआत, अनगिनत यादें और अंतहीन प्रेरणा। 10 साल पूरे हो चुके हैं और इसे यादगार बनाने के लिए आ रही है बाहुबली द एपिक!

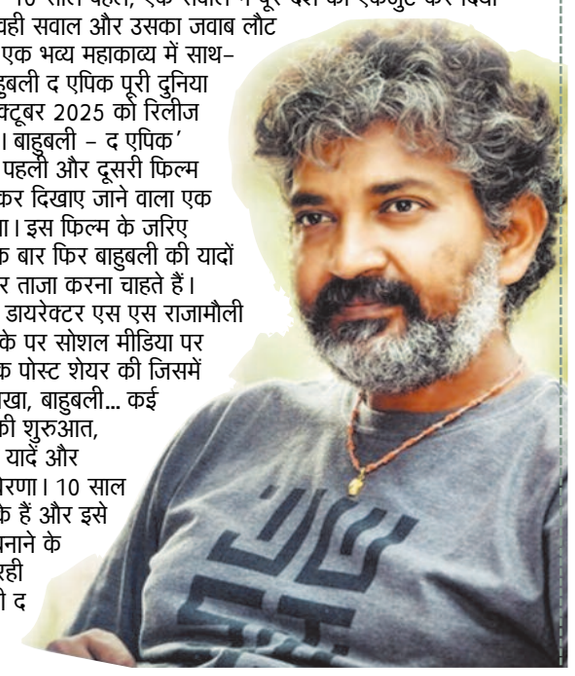

बैटल ऑफ गलवां में चित्रांगदा की एंट्री

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। अब फिल्म को लेकर एक नई अपडेट सामने आई है। फिल्म में अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की एंट्री हो गई है। चित्रांगदा फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी। वहीं सलमान इस फिल्म के लिए खूब मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान सोल्जर का किरदार निभाने के लिए अपने ऊपर काफी मेहनत कर रहे हैं। इंडिया टुडे के मुताबिक सलमान खान ने एक सोल्जर के किरदार में ढलने के लिए एक निजी ट्रेनर रखा है।

सलमान के विपरीत होंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एलान किया कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह होंगी। फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया ने जानकारी दी हम बैटल ऑफ गलवां की कास्ट में चित्रांगदा सिंह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। उनका स्त्री रूप सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है।

जंक फूड और ड्रिंक्स छोड़ी

सलमान खान के वर्कआउट में वेट ट्रेनिंग और दौड़ना शामिल है। वह अपने जिम में एक उच्च दबाव वाले कक्ष में भी ट्रेनिंग लेते हैं। इस कक्ष को लेह की ऊंचाई के हिसाब से बनाया गया है ताकि उनका शरीर वहां के दबाव को सहन करने के काबिल हो जाए। इसके साथ ही सलमान खान ने जंक फूड और गैस वाले ड्रिंक को भी छोड़ दिया है।

पर्दे पर संजीदा वकील शाहिद आजमी से लेकर होनहार श्रीकांत और स्त्री के मसखरे विकी, हर किरदार में पानी की तरह ढल जाने वाले एक्टर राजकुमार राव अपने नाम की तरह अदाकारी के भी राजकुमार हैं। अब अपनी नई फिल्म मालिक में भी वह गैंगस्टर के बिल्कुल नए अंदाज के लिए चर्चा में हैं। ऐसे में, हमने उनकी एक्टिंग, सिनेमा और व्यक्तित्व को लेकर की खास बातचीत -

पत्रलेखा ने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया है, उन्हें हमेशा खुद से आगे रखता हूं

आज आप उस मुकाम पर हैं कि आपकी फिल्म 800 करोड़ कमा रही है। इस सफलता के बाद क्या चुनौती रहती है?

हमेशा कुछ नया खोजना, वो हमेशा का संघर्ष है। पहली फिल्म से मेरी कोशिश रही है कि मैं नया कुछ करता रहूं। खुद को बतौर एक्टर थोड़ा और आगे धकेलता रहूं। कभी भी एक तरह का फिल्में ना करूं, क्योंकि फिर एक कंफर्ट आ जाता है। मेरा चैलेंज यही रहा है कि कैसे मैं अच्छी कहानियां ढूंढूं। फिर, हर किरदार एक चैलेंज है। मैं कोशिश करता हूं कि उस किरदार को सबसे बेहतर बना पाऊं कि वह इससे बेहतर नहीं हो सकता था। आप किसी रोल को हल्के में नहीं ले सकते कि यह तो मैं कर दूंगा।

आपकी फिल्म में डायलॉग है कि मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं। यह बात आपकी जिंदगी पर भी लागू होती है। आपको कब लगा कि स्टार परिवार में पैदा नहीं हुए तो क्या, स्टार बन तो सकते हैं?

ये काफी पहले से है। मैं गुरुग्राम में एक ज्वाइंट फैमिली में पला-बढ़ा हूं और हम फिल्में बहुत देखते थे। हमने वीसीआर पर बहुत फिल्में देखी हैं, तो मुझे बचपन से ही फिल्मों के प्रति बहुत आकर्षण था। मैं नवीं-दसवीं में था, जब तय कर लिया था कि एक दिन फिल्म एक्टर बनना है। फिर, मैंने वहीं थिएटर करना शुरू कर दिया। फिर, एफटीआईआई में ऐक्टिंग कोर्स ज्वाइन कर लिया। किस्मत से मेरे पैरंट्स, खासकर मेरी मां बहुत सपोर्टिव थीं कि जिंदगी में जो भी करना है वो करो, बस ईमानदारी और मेहनत से करो। सच कहूं तो इस लाइन कि पैदा नहीं हुए तो क्या हुआ, बन तो सकते हैं, मैं इससे बहुत रिलेट कर पाता हूं। मेरा मानना है कि यह बात हर किसी पर लागू होती है कि आप अपनी जिंदगी के मालिक खुद बन सकते हैं।

इधर, आप लगातार कॉमेडी करते हुए दिख रहे थे, ऐसे में मालिक जैसा एक्शन वाला किरदार सही ब्रेक मानते हैं?

इसकी टाइमिंग अच्छी हो गई है। मैं भी ऐसा बहुत सुन रहा हूं, पढ़ रहा हूं कि बहुत स्मॉल टाउन कॉमेडी कर रहा हूं, जो कि सही भी है। पिछले एक साल में 3 कॉमेडी फिल्में आ गईं, स्त्री 2, विकी विद्या का वो वाला विडियो और भूल चूक माफ, पर उसके साथ श्रीकांत भी आई, जो एक बायोपिक थी। मैं और मिसेज माही भी आई, जो ड्रामा थी, पर कॉमेडी शायद लोगों को ज्यादा याद रहती है, तो मालिक की टाइमिंग सही हो गई है। हालांकि, मैंने ये सोचकर फिल्म नहीं की थी कि मुझे ब्रेक चाहिए। मैं हमेशा ही चैलेंजिंग काम ढूंढता रहता हूं। कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है। मालिक की कहानी बहुत पॉवरफुल है, इसलिए मैंने की।

आपकी अगली फिल्म टोस्टर की निर्माता आपकी पत्नी पत्रलेखा हैं, वहां आप स्टार वाले नखरे दिखा पाए या बीवी होने के नाते वह कमान कसकर रखती थीं। आजकल एक्टर्स की लंबी-चौड़ी टीम पर लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं?

पत्रलेखा बहुत अच्छी प्रोड्यूसर हैं। चूंकि, हम दोनों एक्टर हैं तो हमने सोचा कि इतने सालों में जो सीखा है, देखा है, उसे बेहतर ढंग से अपने सेट पर लागू करें और हम दोनों ने अपनी मांओं के नाम को मिलाकर अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। बाकी, नखरे तो मैं कहीं भी नहीं करता हूं। मैं जहां पर काम करता हूं, सबको साथ लेकर चलता हूं। सबके साथ बैठकर खाना खाता हूं, हंसता-बोलता हूं। मेरा मानना है कि बतौर प्रोड्यूसर अगर आपको किसी की मांग वाजिब नहीं लगती तो आप मत दीजिए। आपको बतौर प्रोड्यूसर बहुत सख्त होना चाहिए कि ये नहीं देना है। मेरी तो चार लोगों की टीम है जो पिछले 10 साल से मेरे साथ हैं। आज भी वही हैं, क्योंकि मुझे लगता नहीं कि और किसी की जरूरत है। सब अच्छे से हो रहा है, सब चल रहा है। अगर आपको बतौर प्रोड्यूसर दिक्कत लगती है कि कोई 15-20 लोगों की टीम मांगता है तो मत दीजिए आप।

पत्नी पत्रलेखा को आप हमेशा खुद से आगे रखते हैं। यह खूबी कम पतियों में मिलती है। ये गुर कहां से सीखा?

यह मेरी परवरिश रही है। जो वैल्यूज मुझे मिले मेरी फैमिली से, मेरी मां से। मैंने अपनी मां को जिंदगी में बहुत स्ट्रगल करते हुए देखा है तो दूसरे जेंडर के लिए मेरे मन में बहुत ज्यादा सम्मान है। मैं बिल्कुल भी नहीं चाहता कि जो चीजें मेरी मां ने झेली हैं, वो मेरी वजह से किसी को झेलनी पड़े। इसलिए, मैं एक्स्ट्रा आगे जाकर कोशिश करता हूं कि गलती से भी मेरे से ऐसा ना हो। फिर, पत्रलेखा तो मेरी पत्नी हैं तो और ज्यादा जरूरी है कि उनको कभी जिंदगी में ऐसा ना लगे, तो यह नैचरली मेरे डीएनए में ही है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673